राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्षः 11 | अंकः 182 | पृष्ठ : 08, | नई दिल्ली, गुरूवार , 13 जनवरी 2022 | मूल्यः 1.50/-

24 घंटे में भाजपा को फिर बड़ा झटका

यूपी कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान ने भी दिया इस्तीफा

लखनऊ। यूपी में सियासी घटनाक्रम तेजी से बदल रहा है।

कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफा देने के 24 घंटे के अंदर ही योगी सरकार के एक और मंत्री ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अखिलेश यादव से मुलाकात की। उनका सपा में जाना तय माना जा रहा है।

दारा सिंह चौहान योगी सरकार में वन, पर्यावरण एवं जन्तु उद्यान मंत्री रहे। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में पिछड़ों, वंचितों, दलितों, किसानों और बेरोजगार नौजवानों के साथ के प्रति उपेक्षात्मक रवैया अपनाया गया है। उन्होंने योगी सरकार पर दलितों व पिछड़ों के आरक्षण से खिलवाड़ करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने अपना इस्तीफा राजभवन भेज दिया है। दारा सिंह चौहान ने अखिलेश यादव से मुलाकात की। जिसकी जानकारी अखिलेश यादव ने ट्वीट कर दी। उन्होंने कहा कि ह्लसामाजिक न्यायह्व के संघर्ष के अनवरत सेनानी दारा सिंह चौहान का सपा में ससम्मान हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है। सपा व उसके सहयोगी दल एकजुट होकर समता-समानता के आंदोलन को चरम पर ले जाएंगे भेदभाव मिटाएंगे! ये हमारा समेकित संकल्प है! उन्होंने कहा कि सबको सम्मान सबको स्थान।

इसके पहले मंगलवार को स्वामी प्रसाद के साथ भाजपा के तीन और विधायकों ने इस्तीफा दिया था। जिनमें से तिंदवारी से विधायक बृजेश प्रजापति, बिल्हौर से विधायक भगवती सागर, तिलहर से रोशन लाल वर्मा हैं।

अब तक सात भाजपा विधायक सपा के साथ

इससे पहले सीतापुर विधायक राकेश राठौर, खलीलाबाद से विधायक जय चौबे, नानपारा विधायक माधुरी वर्मा, बिल्सी विधायक राधा कृष्ण शर्मा इस्तीफा देकर सपा में शामिल हो चुके हैं।

तमिलनाडु को मिले 11 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज, प्रधानमंत्री मोदी ने किया उद्घाटन

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार, 12 जनवरी को तमिलनाडु को बड़ी सौगात दी है। पीएम मोदी ने राज्य में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 11 नए मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन किया है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ क्लासिकल तमिल (उक्ळ) के एक नए परिसर का लोकार्पण भी किया।

नए मेडिकल कॉलेज राज्य के विरुधुनगर, नमक्कल, नीलगिरी, तिरुपुर, तिरुवल्लूर, नागापट्टिनम, डिंडीगुल, कल्लाकुरिची, अरियालुर, रामनाथपुरम और कृष्णागिरी जिलों में खोले गए हैं और इनकी कुल क्षमता 1,450 सीटों की होगी। इनमें जल्द दाखिला प्रक्रिया शुरू होगी। लगभग 4,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से ये नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं, जिनमें से लगभग 2,145 करोड़ रुपये केंद्र सरकार और बाकी तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रदान किए गए हैं।

सरकार ने पहले कहा था कि इन मेडिकल कॉलेजों की स्थापना देश के सभी हिस्सों में सस्ती चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए प्रधानमंत्री के निरंतर प्रयास के अनुरूप है।

मौजूदा जिला/ रेफरल अस्पताल से जुड़े नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत नए कॉलेज स्थापित किए गए हैं। इन जिलों और आसपास के क्षेत्रों में 1.5 करोड़ से अधिक लोग नई पहल से लाभान्वित होंगे। उद्घाटन के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया कार्यक्रम में मौजूद थे।

चेन्नई में अभी तक किराए के भवन से संचालित होने वाला सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ क्लासिकल तमिल अब नए तीन मंजिला परिसर से संचालित होगा। सीआईसीटी का नया परिसर भारतीय विरासत की रक्षा और संरक्षण और शास्त्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

किसानों ने 10 उम्मीदवारों की पहली सूची की जारी, बलवीर सिंह राजेवाल समराला से लड़ेंगे चुनाव

चंडीगढ़। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों को रद्द कराने के बाद किसानों ने पंजाब की सियासत में ताल ठोंक दी है। 22 किसान संगठनों की संयुक्त पार्टी संयुक्त समाज मोर्चा ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। बुधवार को लुधियाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मोर्चा ने विधानसभा चुनाव के लिए 10 प्रत्याशियों की सूची जारी की।

सूची में मोर्चा के प्रधान व वरिष्ठ किसान नेता बलवीर सिंह राजेवाल का नाम भी शामिल है, जिन्हें समराला से चुनाव मैदान में उतारा गया है। लुधियाना स्थित दफ्तर से किसान नेता रूलदू सिंह मानसा, डॉ. सवैमान सिंह और अन्य नेताओं ने इस सूची को जारी किया है। मोर्चा नेताओं का साफ कहना है कि अन्य विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों को मैदान में उतारने के लिए स्क्रीनिंग कमेटी तेजी से काम कर रही है।

कुछ दिनों में सभी प्रत्याशियों के नामों की सूची जारी कर दी जाएगी। 10 उम्मीदवारों की पहली सूची में बलवीर सिंह राजेवाल समराला से चुनाव लड़ेंगे। इसे अलावा एडवोकेट प्रेम सिंह भंगू को घनौर, हरजिंदर सिंह टांडा को खडूर साहिब, रवनीत सिंह बराड़ को मोहाली, डॉ. सुखमनदीप सिंह ढिल्लो को तरनतारन, राजेश कुमार को करतारपुर, रमनदीप सिंह को जैतो, अजय कुमार को फिल्लौर, बलराज सिंह ठाकुर को कादियां और नवदीप संघा को मोगा से प्रत्याशी घोषित किया गया है।

धार्मिक भावनाएं भड़काने के मामले में स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, सात साल से चल रहा केस

सुल्तानपुर। यूपी सरकार के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने

के मामले में कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट ने उन्हें 24 जनवरी को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने बसपा में रहते हुए देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिस पर सुल्तानपुर के एमपी एमएलए कोर्ट ने आदेश जारी किया है। 24 जनवरी को मामले में सुनवाई होगी। यह आदेश 2016 में हाईकोर्ट द्वारा जारी किया गया था तब उन्होंने इस पर स्टे ऑर्डर ले लिया था। स्वामी प्रसाद प्रदेश की योगी सरकार में मंत्री थे। जहां से उन्होंने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया और 14 जनवरी को वह सपा में शामिल होंगे।

पाकिस्तान-चीन की चालबाजियों पर सेना प्रमुख एमएम नरवणे बोले-

पीएलए से वार्ता और युद्ध की तैयारी दोनों जारी

नयी दिल्लीः पाकिस्तान और चीन की चालबाजियों पर भारतीय सेना के प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने बुधवार को बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि चीन की सेना के साथ भारतीय सेना की वार्ता जारी है, तो युद्ध की तैयारी भी जारी है. उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में यथास्थिति में एकतरफा बदलाव के चीनी प्रयासों पर सेना की प्रतिक्रिया बहुत मजबूत रही. उन्होंने कहा कि चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी (पीएलए) के साथ बातचीत करते हुए भी सेना ने अभियान संबंधी अपनी तैयारियों का उच्चतम स्तर बरकरार रखा हुआ है.

पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा विवाद पर उन्होंने कहा कि आंशिक तौर पर भले ही सैनिक

पीछे हटे हैं, लेकिन खतरा किसी भी तरह से कम नहीं हुआ है. वहीं, भारत की उत्तरी सीमा पर बनी स्थिति को लेकर उन्होंने कहा, ह्लहम चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के साथ दृढ़ एवं मजबूत तरीके से निपटना जारी रखेंगे. श्री नरवणे ने कहा, ह्लकिसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सुरक्षा कदम उठाये गये हैं.

सेना प्रमुख ने बताया कि उत्तरी सीमाओं के पास इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने का काम समग्र और व्यापक तरीके से किया जा रहा है. जनरल नरवणे ने कहा कि यह देखने के लिए बड़े प्रयास किये जा रहे हैं कि सभी दोहरे उपयोग वाले बुनियादी ढांचे कौन-कौन से है।

भारत बायोटेक का बड़ा बयान

कोरोना के ओमिक्रॉन और डेल्टा वैरिएंट को निष्क्रिय कर देती है कोवाक्सिन की बूस्टर खुराक

नई दिल्ली। भारत की पहली स्वदेशी वैक्सीन कोवाक्सिन को लेकर एक बड़ा एलान हुआ है। इस टीके को बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने दावा किया है कि कोवाक्सिन का बूस्टर डोज कोरोनावायरस के ओमिक्रॉन और डेल्टा वैरिएंट को निष्क्रिय कर देता है। कंपनी ने बूस्टर पर जारी शोध के शुरूआती नतीजे आने के बाद यह दावा किया है।

उत्तर प्रदेश चुनावः स्वामी और चौहान की बगावत से पार्टी में घट रहा है उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या का कद!

लखनऊ। दो दिन में दो कैबिनेट मंत्री, स्वामी प्रसाद मौर्या और दारा सिंह चौहान ने मंत्रिमंडल और पार्टी से त्यागपत्र दे कर पार्टी के केंद्रीय नेताओं की बेचैनी बढ़ा दी है। स्वामी प्रसाद मौर्या का भाजपा से जाना उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या के लिए भी बड़ा झटका माना जा रहा है। 2017 में विधानसभा चुनाव से एन पहले तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के मार्गदर्शन में केशव ही स्वामी प्रसाद मौर्या को भाजपा में लाए थे। बताते हैं कि 11 जनवरी को जब स्वामी के इस्तीफा देने की खबर आई, तो केशव मौर्या केंद्रीय नेताओं के साथ बैठक में थे। उन्होंने तत्काल ट्वीट करके स्वामी प्रसाद से जल्दबाजी में फैसला न लेने का अनुरोध किया था। हालांकि स्वामी ने भी समाजवादी पार्टी के सहयोगियों की सलाह पर अगला कदम उठाने में जरा भी देर नहीं लगाई। स्वामी प्रसाद मौर्या मूल रूप से प्रतापगढ़ के हैं। पडरौना से चुनाव लड़ते हैं। रायबरेली, उंचाहार से लेकर बदायूं समेत तमाम जिलों के मौर्या समाज में ठीक-ठाक पकड़ रखते हैं। केशव प्रसाद मौर्या प्रयागराज क्षेत्र से आते हैं। केशव प्रसाद मौर्या की तरह ही महान दल के केशव देव मौर्या भी हैं। केशव देव ने महान दल की स्थापना की है, राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। केशव देव शाक्य, मौर्या और कुशवाहा में पकड़ का दावा करते हैं। इस तरह से उत्तर प्रदेश की राजनीति में तीन बड़े मौर्या सक्रिय हैं। इनमें से दो मौर्या समाजवादी पार्टी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इसे केशव प्रसाद मौर्या के भाजपा में कमजोर होने से जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा के बलिया के एक नेता का कहना है कि केशव प्रसाद की भाजपा में बड़ी ताकत पिछड़ी और दलित जातियों का आना था। अब इन जातियों के नेता वापस जा रहे हैं तो केशव को झटका लगना स्वाभाविक है। स्वामी प्रसाद केशव को अपना छोटा भाई भी बताते हैं। वह उन्हें खुद एक बेचारा नेता बताते हैं।

केशव प्रसाद मौर्या ने एक ट्वीट और किया है। उनका यह ट्वीट दारा सिंह चौहान को समझाने वाला है। इसमें उन्होंने दारा सिंह चौहान को डूबती नाव पर न सवार होने का अनुरोध किया है। दारा सिंह चौहान को बड़ा भाई संबोधित करते हुए केशव प्रसाद मौर्या ने उनसे अपने निर्णय पर पुनः विचार करने की अपील की है। खास बात यह है कि स्वामी प्रसाद मौर्या की तरह ही दारा सिंह चौहान ने भी अपने इस्तीफे में भाजपा की उत्तर प्रदेश सरकार पिछड़ों और दलित वर्गों के ही अपमान, अनदेखी, उपेक्षा का आरोप लगाया है। माना यह जा रहा है कि दारा सिंह चौहान, मौर्या के जाने के बाद भाजपा को कोईरी, कुर्मी, पटेल, चौहान, शाक्य, कुशवाहा (काछी), वर्मा, प्रजापति, राजभर को अपने साथ सहेजे रहने में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

बीएसएफ को मिली बड़ी सफलताः

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 145 करोड़ की हेरोइन पकड़ी, तीन पिस्तौल, 63 कारतूस व तीन मैगजीन बरामद

अमृतसर/फिरोजपुर (पंजाब)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सरहद से एक 145 करोड़ रुपये की हेरोइन (कुल वजन 29 किलो), 430 ग्राम अफीम, तीन पिस्तौल, तीन मैगजीन व 63 कारतूस पकड़े हैं। घनी धुंध की आड़ में पाक तस्करों ने दो दिनों के अंदर पांच जगहों पर हेरोइन की खेप सरहद से सटे भारतीय क्षेत्र में पहुंचाई है। अन दिनों पंजाब में विधानसभा चुनाव है, इसलिए हेरोइन की मांग बढ़ी है।

धुंध के कारण दोनों देशों के तस्कर सरहद पर तस्करी के लिए सक्रिय हो गए हैं। बीएसएफ ने मंगलवार और बुधवार को फिरोजपुर सेक्टर से चार और अमृतसर के अटारी बार्डर से एक खेप पकड़ी है। बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक घनी धुंध के कारण सरहद पर लगी फेंसिंग के साथ-साथ जवानों की गश्त बढ़ा दी गई है।

रात के समय फेंसिंग पार पाक तस्करों की गतिविधियां महसूस की गईं, बीएसएफ ने तुरंत उन जगहों पर स्पेशल सर्च अभियान चलाया। मंगलवार को फिरोजपुर सेक्टर से सटी सरहद से बीएसएफ को हेरोइन के 10 पैकेट बरामद हुए, उक्त पैकेटों में 19 किलो 375 ग्राम हेरोइन और 430 ग्राम अफीम भी मिली है। यही नहीं इसके साथ एक पिस्तौल, एक मैगजीन और आठ कारतूस भी बरामद भी मिले। इसी तरह बीएसएफ को सरहद से हेरोइन का एक पैकेट मिला, जो फेंसिंग के नजदीक खेत में पड़ा था, इसमें एक किलो 195 ग्राम हेरोइन मिली। इसके अलावा बीएसएफ को सरहद से एक और पैकेट मिला, इसमें एक किलो हेरोइन थी।

बुधवार सुबह फिरोजपुर सेक्टर से लगती सीमा से हेरोइन के छह पैकेट मिले, जिनका वजन छह किलो 360 ग्राम था, इसके अलावा एक पिस्तौल, एक मैगजीन व 50 कारतूस भी मिले हैं। बीएसएफ को फिरोजपुर सेक्टर से एक हेरोइन का पैकेट मिला है, जिसमें एक किलो 64 ग्राम हेरोइन है। इसके अलावा सीमा सुरक्षा बल को अमृतसर के अटारी इलाके से एक पिस्तौल, एक मैगजीन व पांच कारतूस मिले हैं।

उधर, खुफिया सूत्रों के मुताबिक जिन तीन जगहों से एक-एक पैकेट मिला है, इससे यही साबित होता है कि भारतीय तस्कर बाकी के पैकेट सरहद से ले जाने में कामयाब हुए हैं। इन दिनों सरहद पर घनी धुंध पड़ रही है। इसी बात का फायदा दोनों देशों के तस्कर उठा रहे हैं। पिछले साल भारत-पाक सरहद से तकरीबन 485 किलो हेरोइन पकड़ी जा चुकी है।

स्वास्थ्य मंत्रालयः जारी हुई कोरोना मरीजों के डिस्चार्ज को लेकर नई गाइडलाइंस, टेस्टिंग को लेकर दिए गए ये निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कोरोनावायरस महामारी के बढ़ते मामलों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, केरल और गुजरात में कोरोना के फैलने की रफ्तार काफी तेज है और इसलिए यह चिंता का विषय बने हैं। हालांकि, ओमिक्रॉन वैरिएंट के प्रसार पर स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से दो अच्छी खबरें भी आई हैं। बताया गया है कि ओमिक्रॉन से दुनिया में अभी तक सिर्फ 115 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि भारत में इससे सिर्फ एक ही व्यक्ति की जान गई है।

इस बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना की स्थिति की समीक्षा के बाद मरीजों को डिस्चार्ज करने की नीति में भी बदलाव किया है। अब हल्के लक्षण वाले संक्रमितों को पॉजिटिव पाए जाने के सात दिन बाद डिस्चार्ज किया जा सकता है। इस दौरान अगर लगातार तीन दिन तक मरीज की स्थिति ठीक रहती है और उसे बुखार नहीं आता तो डिस्चार्ज के लिए टेस्टिंग की भी जरूरत नहीं होगी।

उधर मध्यम लक्षण वाले मरीजों में अगर सुधार दिखता है और उनका ऑक्सीजन सैचुरेशन स्तर बिना ऑक्सीजन सपोर्ट के भी लगातार तीन दिन तक 93 फीसदी से ज्यादा रहता है, तो ऐसे मरीजों को डिस्चार्ज किया जा सकता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, जिन राज्यों को लेकर चिंता जताई गई है, वहां संक्रमण दर काफी ज्यादा है जहां महाराष्ट्र में प्रति यह दर 22.39 फीसदी है, तो वहीं बंगाल में 32.18 फीसदी, दिल्ली में 23.1 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 4.47%। संयुक्त सचिव ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की तरफ से जारी बयान का हवाला देते हुए कहा कि डेल्टा के मुकाबले ओमिक्रॉन काफी तेजी से फैल रहा है। दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन, कनाडा और डेनमार्क के डेटा से साफ है कि ओमिक्रॉन से अस्पताल में भर्ती होने का खतरा डेल्टा की तुलना में कम है।

पिछले 24 घंटे में राष्ट्रीय राजधानी में आए 27561 नए मामले, 40 मरीजों की मौत, संक्रमण दर 26 फीसदी के पार

नई दिल्ली। दिल्ली में अब कोरोना की संक्रमण दर 26 फीसदी के पार जा पहुंची है। पिछले एक दिन में 27 हजार से अधिक लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। इस बीच 40 मरीजों की कोरोना संक्रमण के चलते मौत हुई है। बुधवार को स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि पिछले एक दिन में 1,05,102 सैंपल की जांच में 26.22 फीसदी सैंपल कोरोना संक्रमित मिले हैं। कोरोना के नए मामलों की संख्या 27561 दर्ज की गई है।इसी तरह पिछले एक दिन में 14,957 मरीजों को छुट्टी दी गई है। इसी के साथ ही दिल्ली में कुल संक्रमित रोगियों की संख्या बढ़कर 16,17,716 हुई है जिनमें 15,05,031 मरीज ठीक हुए हैं लेकिन 25,240 मरीजों की मौत हुई है। दिल्ली में अब कोरोना के सक्रिय मामले 87,445 हुई हैं।

अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में विस्फोट, 9 बच्चों की मौत व चार घायल

काबुल। पूर्वी अफगानिस्तान में पाकिस्तान से लगी सीमा के पास सोमवार को हुए एक विस्फोट में नौ बच्चों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। तालिबान द्वारा नियुक्त गवर्नर के कार्यालय

ने यह जानकारी दी। गवर्नर कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि विस्फोट उस समय हुआ जब पूर्वी नागरहार प्रांत के लालोपर जिले में खाद्य पदार्थ की बिक्री करने वाली एक गाड़ी एक बिना फटे पुराने मोर्टार के गोले से टकरा गई।

इस संबंध में अन्य कोई विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं है। यह प्रांत तालिबान के प्रतिद्वंद्वी इस्लामिक स्टेट समूह का मुख्यालय है जिसने अगस्त के मध्य में तालिबान के देश की सत्ता पर नियंत्रण के बाद से अफगानिस्तान के नये शासकों को निशाना बनाते हुए कई हमले किए हैं। हालांकि, आईएस 2014 से अफगानिस्तान में सक्रिय है और उसने दर्जनों भयानक हमले किए हैं। ये हमले अक्सर देश के अल्पसंख्यक शिया मुसलमानों को निशाना बनाकर किये गए हैं। अफगानिस्तान उन देशों में शामिल है जहां दशकों के युद्ध और संघर्ष के बाद सबसे अधिक बिना फटी बारूदी सुरंग और गोले हैं। जब इन गोलों में विस्फोट होता है, तो अक्सर बच्चे हताहत होते हैं।

उत्तर कोरिया फिर दागी बैलेस्टिक मिसाइल, जापान के तट रक्षकों ने की पुष्टि

बीजिंगः उत्तर कोरिया साल 2022 के पहले सप्ताह में बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण करने के बाद एक बार फिर अपनी हरकत से बाज नहीं आया। जापानी तट रक्षकों के अनुसार, तानशाह

किम जोंग उन के देश ने भी एक और बैलिस्टिक मिसाइल दागकर परीक्षण किया है। उन्होंने कहा कि किम जोंग उन के सेना से और अधिक सैन्य प्रगति करने का आग्रह करने के एक सप्ताह से भी कम समय में स्पष्ट रूप से यह दूसरी बार परीक्षण किया गया है। वहीं दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया की सेना ने भी बिना विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए ऐसी ही एक अनाम योजना पर काम शुरू कर दिया है।

पिछले हफ्ते बुधवार को उत्तर कोरिया ने कहा था कि उसने एक हाइपरसोनिक मिसाइल दागी थी, जिसने एक लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेद दिया। परमाणु-सशस्त्र उत्तर कोरिया द्वारा शुरू किए गए परीक्षण ने दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ बातचीत रुकी हुई है। इस बीच अस्थिर अंतरराष्ट्रीय स्थिति का मुकाबला करने और सेना को मजबूत करने के लिए नेता किम जोंग उन ने नए साल पर इस संकल्प को रेखांकित किया था।

मेक्सिको के राष्ट्रपति दूसरी बार कोरोना वायरस से संक्रमित

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के राष्ट्रपति एंद्रेस मैनुएल लोपेज ओब्रादोर ने बताया कि वह दूसरी बार कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। राष्ट्रपति ओब्रादोर ने बताया कि पिछले वर्ष की शुरुआत में भी वह संक्रमित पाए गए थे। राष्ट्रपति ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, '' हालांकि लक्षण मामूली हैं, फिर भी मैं पृथक रहूंगा और अगले आदेश तक सभी बैठकें ऑनलाइन करूंगा। इस दौरान, गृह मंत्री एदान ऑगस्तो लोपेज़ हर्नांडेज़ मेरी तरफ से संवाददाता सम्मेलन और अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे।' इससे पहले, राष्ट्रपति ने मेक्सिको के लोगों से कहा था कि अगर आप में लक्षण है, तो यह मानकर चलें कि आप संक्रमित हैं। पिछले सप्ताह संक्रमण के मामलों में 186 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। ओब्रादोर ने दावा किया कि कोरोना वायरस का नया स्वरूप 'ओमीक्रोन' एक ''छोटा कोविड है', इससे अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या और संक्रमण से मौत के मामले उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं।

जर्मन युद्धपोत का मुंबई में डेराः भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से चिंता, बर्लिन की नई रणनीति

बर्लिन। भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता पर अंकुश के लिए इस माह के अंत तक एक जर्मन युद्धपोत मुंबई के समंदर में डेरा डालने आ रहा है। यह चीन को एक बड़ा संकेत होगा कि उसकी मनमानी व दादागीरी का मुकाबला किया जाएगा।

बर्लिन ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दखलंदाजी के बाद 2020 में अपनी सामरिक रणनीति में बदलाव करते हुए क्षेत्र में बैयर्न फ्रिगेट तैनात करने का फैसला किया था, ताकि नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कायम रखा जा सके।

दक्षिण चीन सागर में घुसा था जर्मन युद्धपोत

ब्रैंडेनबर्ग-श्रेणी के युद्धपोत ने हाल ही में दक्षिण चीन सागर (एससीएस) के समुद्र में भी प्रवेश किया था। यह दो दशकों में ऐसा करने वाला पहला जर्मन युद्धपोत बन गया है। इसी तरह फ्रांस के बाद जर्मनी दूसरा यूरोपीय देश बन गया, जिसने सितंबर 2020 में भारत-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक नई रणनीति की घोषणा की। उसने संयुक्त राष्ट्र के प्रावधानों के महत्व और नेविगेशन की स्वतंत्रता को रेखांकित किया है। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि समुद्री व्यापार मार्गों में कोई व्यवधान न डाल सके।

21 जनवरी के आसपास मुंबई में डेरा जमाएगा

माना जा रहा है जर्मन युद्धपोत 21

जनवरी के आसपास मुंबई में डेरा जमाएगा। हालांकि मुंबई में उसकी सक्रियता कोविड लॉकडाउन प्रतिबंधों पर निर्भर करेगी।

जर्मन पोत को पिछले साल अगस्त में गश्ती और प्रशिक्षण मिशन पर भारत-प्रशांत क्षेत्रों में भेजा गया था क्योंकि जर्मनी ने इस क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को तट पर केंद्रित करने की मांग की थी। चीन ने गत वर्ष सितंबर में शंघाई में इस युद्धपोत को ठहराव की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। चीन के साथ मजबूत आर्थिक संबंधों के बावजूद क्षेत्र में जर्मनी की तैनाती से आगे और ऐसे ही सैन्य जमावड़े की संभावना बढ़ गई है।

चीनी मीडिया की ओछी टिप्पणी: कहा-

राजनाथ सिंह कोरोना संक्रमित, भारतीय सैनिकों पर पड़ेगा मनोवैज्ञानिक दबाव

बीजिंग। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कोरोना संक्रमित होने के बाद चीनी मीडिया ने ओछी टिप्पणी की है। चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी का मुखपत्र कहे जाने वाले ट्वीट करते हुए कहा कि राजनाथ सिंह के कोरोना संक्रमित होने से सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों पर मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ेगा। ग्लोबल टाइम्स ने एक विशेषज्ञ के हवाले से लिखा कि इतने उच्च स्तर के अधिकारी का कोरोना से संक्रमित होना ये बताता है कि कोरोना ने आम नागरिकों के साथ-साथ भारतीय सैनिकों पर भी बेहद बुरा असर डाला है। चीनी मीडिया ने कहा कि इससे भारतीय सैनिकों पर मनोवैज्ञानिक दबाव पड़ेगा। सिंघुआ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय रणनीति संस्थान में अनुसंधान विभाग के निदेशक कियान फेंग ने सोमवार को ग्लोबल टाइम्स को बताया कि वायरस फैलने से बचने के लिए सीमा पर कम सैनिकों की तैनाती होगी जिससे सैनिकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

भारत-चीन की वार्ता से दो दिन पहले राजनाथ सिंह संक्रमित

ग्लोबल टाइम्स ने भारतीय मीडिया के हवाले से लिखा है कि राजनाथ सिंह के कोरोना संक्रमण की खबर चीन और भारत के 14वें दौर की सैन्य वार्ता के दो दिन पहले आई है। ये वार्ता बुधवार को होने वाली है। इसके अलावा लद्दाख की स्थिति पर ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि 60 हजार भारतीय सैनिक पूर्वी लद्दाख की बर्फीली पहाड़ियों में अपनी दूसरी सर्दी बिता रहे हैं। ग्लोबल टाइम्स ने सूत्रों के

हवाले से बताया कि जमीन पर स्थिति अनिश्चित है और कुछ भी हो सकता है। चीनी अखबार ने कियान फेंग का हवाला देते हुए आगे लिखा है कि जरूरी कदमों के बावजुद भी भारतीय सेना में संक्रमण दर अधिक होगी। क्योंकि सभी स्तर के सैन्य अधिकारियों को आइसोलेट नहीं किया गया है।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारने और किडनैपिंग की धमकी, 72 साल का बुजुर्ग गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी के आरोप में न्यूयॉर्क में एक 72 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया। न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में अभियोजकों ने जानकारी देते हुए कहा कि थॉमस मेलनिक नाम के शख्स ने जानबूझकर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को मारने, किडनैप करने और शारीरिक चोट पहुंचाने की धमकी दी है। मेलनिक ने जुलाई 2020 में एक साक्षात्कार के दौरान यूएस कैपिटल पुलिस को बताया कि अगर ट्रंप 2020 का चुनाव हार जाते हैं और पद छोड़ने से इनकार कर देते हैं तो वह उनपर हथियार से हमला कर देगा।

मेलनिक ने खुफिया एजेंसी के कार्यालय में दो वॉयस मेल संदेश छोड़े थे

मेलनिक पर यह भी आरोप है कि उन्होंने पिछले साल जनवरी में लॉन्ग आइलैंड, न्यूयॉर्क में खुफिया एजेंसी के कार्यालय में दो वॉयस मेल संदेश छोड़े थे जिसमें

उसने ट्रंप के साथ-साथ कांग्रेस के 12 अज्ञात सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी थी।

मेलनिक ने गिरफ्तार करने की दी थी चुनौती

खुफिया एजेंसी के अनुसार मेलनिक ने कहा था कि 'हां, यह धमकी है, आओ और मुझे गिरफ्तार करो, मैं उन्हें मारने के लिए कुछ भी करूंगा' मेलनिक पर यह भी आरोप है कि उसने पिछले नवंबर में न्यूयॉर्क शहर में खुफिया एजेंसी के डेस्क को तीन बार फोन किया और हर बार नाम से अपना परिचय दिया। यही नहीं, पिछले महीने एक अन्य कॉल में उन्होंने कहा कि नया गृहयुद्ध छिड़ सकता है।

विदेश मंत्री वांग की चेतावनीः चीन-श्रीलंका संबंधों में 'तीसरे देश' का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी का कहना है कि चीन और श्रीलंका के बीच करीबी संबंधों में किसी 'तीसरे देश' को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व के साथ रविवार को वार्ता करने के बाद वांग की टिप्पणी को हिंद-महासागर क्षेत्र में स्थित इस देश में चीन की रणनीतिक परियोजनाओं के संबंध में भारत की चिंताओं के संदर्भ में देखा जा रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, दो दिवसीय दौरे के दौरान मालदीव के बाद कोलंबो पहुंचे वांग ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के साथ बैठक में कहा कि बीजिंग और श्रीलंका के बीच दोस्ताना संबंधों के जरिए दोनों देशों की प्रगति होगी।

रिपोर्ट में भारत की ओर इशारा करते हुए वांग के हवाले से कहा गया ' यह किसी तीसरे देश को निशाना नहीं बनाते और किसी तीसरे पक्ष को इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।'

चीन बंदरगाहों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अरबों डॉलर का निवेश कर श्रीलंका के साथ अपने संबंधों को गहरा करना चाहता है। हालांकि, चीन पर ऐसे देशों को कर्ज के बोझ तले दबाने के आरोपों को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि वांग ने श्रीलंकाई विदेश मंत्री जी एल पीरिस के साथ वार्ता के दौरान हिंद-महासागर द्वीप देशों के विकास के लिए एक मंच स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था, जिसे पर्यवेक्षकों ने इस क्षेत्र में बीजिंग के प्रभाव के विस्तार का प्रयास करार दिया गया है।

चीनी विदेश मंत्रालय ने वांग के हवाले से एक विज्ञप्ति में कहा, 'इस बार कई हिंद महासागर द्वीप देशों की अपनी यात्रा के बाद मुझे लगता है कि समान विकास लक्ष्यों के साथ सभी द्वीप देशों के समान अनुभव और जरूरत हैं और वे पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को मजबूत करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां और पूरी क्षमता रखते हैं।'

ताइवान का साथ देने पर लिथुआनिया से चिढ़ा चीन, धमकियों के बाद अब आयात रोकने की कोशिश

बीजिंग। दुनिया पर कब्जे का सपना पूरा करने के लिए चीन गुंडागर्दी पर उतर आया है। लिथुआनिया द्वारा ताइवान को प्रतिनिधि कार्यालय खोलने की अनुमति के बाद चीन भड़क गया है । इसी बात का बदला लेने के लिए चीन लिथुआनिया को लगातार परेशान कर रहा है और यहां से होने वाले आयात को रोकने की पूरी कोशिश कर रहा है। उसकी इसी कूटनीति ने वैश्विक सप्लाई चेन को लक्षित करना शुरू कर दिया है। इससे पहले जब ऑस्ट्रेलिया ने कोरोना वायरस की उत्पत्ति की जांच की मांग की थी, तो चीन ने यहां से शराब का आयात रोक दिया गया था । चीनी सरकार से असंतुष्ट व्यक्ति को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के बाद नॉर्वे से सैल्मन के आयात पर रोक लगा दी थी। लिथुआनिया पर आयात प्रतिबंध लगाकार चीन, यूरोपीय संघ (ईयू) के बाकी देशों को ये संकेत देने की कोशिश कर रहा है कि वह उसपर कभी सवाल ना उठाएं। माना जाना जा रहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के शासन में छोटे से देश को सजा देने के लिए चीन वैश्विक सप्लाई चेन को भी लक्षित कर सकता है। हालांकि चीनी प्रवक्ता ने इस बात से इनकार किया है। जर्मनी और फ्रांस के चीन के साथ अच्छे आर्थिक संबंध हैं। इसी वजह से यूरोपीय संघ की मानवाधिकारों पर बीजिंग के खिलाफ किसी भी राजनयिक कार्रवाई को कमजोर करने की कोशिश करते हैं।

दुनिया में कोविड संक्रमितों की संख्या 30.80 करोड़ के पार, चीन के तीसरे शहर में लगा लॉकडाउन, यूएस में बढ़ी तबाही

वॉशिंगटन। कोरोना का नया वेरियंट ओमीक्रोन तेजी से फैल रहा है। दुनियाभर में बीते 24 घंटे में 18.5 लाख नए संक्रमित सामने आए हैं, जबकि 3,489 लोग मारे गए हैं। अब तक कोविड का वैश्विक आंकड़ा 30.80 करोड़ के पार पहुंच गया है। इस बीच, चीन के तिआनजिन में एक दिन के भीतर ओमिक्रॉन और कोरोना के कुल 40 केस सामने आने के बाद आंशिक लॉकडाउन लगा दिया गया। अमेरिका में एक बार फिर से कोरोना मामलों ने अपने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। अमेरिका में नए संक्रमितों के मामले 3.08 लाख जबकि फ्रांस में 2.96 लाख लोग संक्रमित मिले हैं। अमेरिका में यदि सक्रिय मामलों को देखें तो 1.81 करोड़ लोग प्रभावित हैं। सक्रिय मामलों से मतलब ऐसे मरीज जिनका इलाज चल रहा है।

अमेरिका में एक दिन में 10 लाख से अधिक नए मामले

देश में महामारी के बाद से दूसरी बार एक दिन में 10 लाख से अधिक नए मामले सामने आए हैं। सोमवार को अमेरिका में 10.13 लाख नए कोविड संक्रमित मिले। इससे पहले पिछले सप्ताह अमेरिका में पहली बार 10 लाख मामले सामने आए थे, जिसके बाद राष्?ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने व?हाइट हाउस की कोरोना महामारी पर नजर रखने वाली टीम से आपात बैठक की थी। अमेरिका में नवीनतम कोरोना वायरस के आंकड़े सोमवार तक 6 करोड़ से ज्यादा हो चुके हैं, जो वैश्विक कोरोना संख्या का लगभग 20 फीसदी है। दुनिया में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित देश अमेरिका है, वहीं दूसरे नंबर पर भारत का नाम आता है. इस वायरस से मरने वालों की संख्या 837,594 हो गई है।

महामारी के नए मामलों ने बढ़ाई चीन की टेंशन

कोविड-19 के प्रकोप के चलते चीन के तीसरे शहर में लॉकडाउन लगा दिया गया है जिससे देश में घरों के अंदर बंद रह रहे निवासियों की संख्या करीब दो करोड़ के पार पहुंच गई है। अभी यह साफ नहीं है कि अनयांग शहर में लॉकडाउन कितने दिन तक प्रभावी रहेगा क्योंकि एक नोटिस में कहा गया है कि यह बड़े पैमाने पर जांच के लिए लगाया गया है। नोटिस में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि जांच प्रक्रिया कब तक पूरी हो सकती है। शहर की आबादी 55 लाख है। इसके अलावा शियान में 1.3 करोड़ लोग और युझोउ में 11 लाख लोग लॉकडाउन के तहत हैं।

चीन के तिआनजिन शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के नए स्वरूप ओमीक्रोन के दो मामले सामने आने के बाद शहर के 34 लाख लोगों की जांच में

सोमवार को संक्रमण के 41 नए मामले सामने आए। अधिकारियों का कहना है कि उनकी राजधानी बीजिंग के निकट स्थित इस बड़े बंदरगाह शहर की पूरी आबादी अर्थात एक करोड़ 40 लाख लोगों की जांच कराने की योजना है। तिआनजिन से बीजिंग के लिए बस-ट्रेन सेवाएं रोक दी गई हैं और शहरी लोगों को बहुत जरूरी न होने तक जगह न छोड़ने को कहा गया है। उधर, चीन के शिआन और यूझोउ शहर दो हफ्ते पहले ही लॉकडाउन का सामना कर रहे हैं।

ब्रिटेन में फिर बंद हो सकते हैं स्कूल

ब्रिटेन सरकार के सामने स्कूलों को लेकर एक नई परेशानी खड़ी हो गई है। देश के कई स्कूलों में शिक्षकों और दूसरे स्टाफ की काफी कमी हो गई है। इस वजह से कक्षाएं जारी रखना बेहद मुश्किल हो रहा है। सरकार और कुछ माता-पिता चाहते हैं कि दो साल तक बंद रहने के बाद कम से कम अब स्कूल और दूसरे शैक्षिक संस्थान खुले रहें, लेकिन हालात बता रहे हैं कि अब खुली हुई संस्थाएं भी शीघ्र बंद हो सकती हैं। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्री ओंग ये कुंग ने संसद में कहा कि देश में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट की लहर के इससे पहले वाले डेल्टा वैरिएंट के कारण आई लहर से 'कई गुना बड़ी' हो सकती है।

मंत्री ने कहा, ओमिक्रॉन के मामलों के हर दो से तीन दिन में दोगुने होने की आशंका है। ओंग ने कहा, सिंगापुर में अब तक ओमिक्रॉन के 4,322 मामले सामने आए हैं, जिनमें 308 लोगों की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है। इनमें से आठ को ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ी और किसी को आईसीयू में भर्ती नहीं कराना पड़ा।पोप फ्रांसिस ने सोमवार को लोगों से कहा है कि कोरोना वायरस के खिलाफ टीका लगवाना एक नैतिक दायित्व है। उन्होंने इस बात की निंदा की कि किस तरह लोगों का जीवन बचाने के सबसे प्रभावी उपायों में से एक को खारिज करने के लिए आधारहीन जानकारी से बहकाया गया था।

नेपाल में सार्वजनिक स्थलों पर टीका कार्ड अनिवार्य करने की सिफारिश

नेपाल के कोविड-19 कार्यबल ने संक्रमण में वृद्धि पर काबू पाने के लिए सभाओं पर प्रतिबंध, स्कूलों को बंद करने एवं सार्वजनिक स्थानों पर टीकाकरण कार्ड अनिवार्य करने जैसी सिफारिशें की हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, नेपाल में रविवार को कोविड-19 के 1,167 नए मामले सामने आए और 224 लोग ठीक हुए, वहीं दो मरीजों की मौत हो गई। देश में महामारी से निपटने के लिए कोविड संकट प्रबंधन समन्वय केंद्र (सीसीएमसीसी) ने कई सिफारिशें जारी कीं। इनमें 25 से अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध शामिल है। कोरोना की प्रोटीन आधारित वैक्सीन बनाने वाली कंपनी नोवावैक्स ने अपने एक बयान में कहा है कि हमने और हमारे सहयोगी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने दक्षिण अफ्रीकी दवा नियामक प्राधिकरण के समक्ष हमारी वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग (ईयूए) की मंजूरी हेतु आवेदन प्रक्रिया पूरी कर ली है।

दुनिया में पहली बार इंसान के अंदर धड़केगा सूअर का दिल, अमेरिकी चिकित्सकों ने रचा इतिहास

वॉशिंगटन। अमेरिकी शल्य चिकित्सकों ने नए साल के पहले पखवाड़े में बड़ी कामयाबी पाई है। उन्होंने 57 साल के एक व्यक्ति में आनुवंशिक रूप से परिवर्तित एक सूअर का दिल सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित कर इतिहास रच दिया। दुनिया के चिकित्सा जगत के लिए यह बड़ी अच्छी खबर है। इससे हृदय प्रत्यारोपण के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आ सकते हैं। इससे हृदय की गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लाखों लोग के दिल के प्रत्यारोपण का नया रास्ता खुल गया है। अमेरिका के दवा नियामक एफडीए ने इस सर्जरी के लिए नए साल की पूर्व संध्या पर मंजूरी दी थी। सूअर के दिल के प्रत्यारोपण की यह आपात मंजूरी 57 साल के इस पीड़ित व्यक्ति की जान बचाने के लिए अंतिम उपाय थी।

यह ऐतिहासिक सर्जरी संपन्न हुई। यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैंड मेडिकल स्कूल ने सोमवार को को बयान जारी कर इस सर्जरी के बारे में मीडिया को जानकारी दी। यह शल्य चिकित्सा पशुओं के अंगों के इंसान में प्रत्यारोपण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

डेविड की हालत में अब सुधार

यूनिवर्सिटी के बयान के अनुसार पीड़ित डेविड बेनेट की हालत काफी नाजुक थी। इसलिए उसकी जान बचाने के लिए आनुवांशिक रूप से परिवर्तित सूअर का हृदय प्रत्यारोपित करने का फैसला किया गया। डेविड की हालत में अब सुधार हो रहा है और उस पर पूरी नजर रखी जा रही है कि नया अंग किस तरह काम कर रहा है। बेनेट का परंपरागत रूप से होने वाले हृदय प्रत्यारोपण नहीं हो सकता था, इसलिए अमेरिकी चिकित्सकों ने यह बड़ा फैसला लेकर सूअर का दिल प्रत्यारोपित कर दिया।

एक तरफ मौत थी, दूसरी ओर नए जीवन की आस

मैरीलैंड के रहने वाले डेविड ने सर्जरी के एक दिन पहले कहा था कि उसके सामने दो ही रास्ते थे। एक ओर मौत थी और दूसरी ओर इस प्रत्यारोपण के जरिए नए जीवन की आस। अंधेरे में चौका लगाना मेरे लिए अंतिम विकल्प था। बेनेट पिछले कई माहों से बिस्तर पर ही हार्ट-लंग बायपास मशीन के सहारे जी रहे थे। उन्होंने उम्मीद है कि अब वह एक बार फिर उठ खड़े होंगे।

डॉक्टर ग्रिफिथ ने कहा-शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में यह बड़ी सफलता

बेनेट में सूअर का हृदय प्रत्यारोपित करने वाले डॉ. बार्टले ग्रिफिथ ने कहा कि हृदय की शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में यह बड़ी सफलता है। इससे अंगदान की समस्या को दूर करने में मदद मिलेगी।

स्ट्रीट डॉग्स एवं बिलिओ का मुफ्त इलाज एवं एंटी रेबीज टीकाकरण

नई दिल्ली। योगेन्द्र कुमार मानद पशु कल्याण अधिकारी एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया एवं हेड वार्डर तिहाड़ जेल के नेतृत्व में स्ट्रीट डॉग्स एवं बिलिओ को मुफ्त एंटी रेबीज टीकाकरण एवं मुफ्त इलाज, पशु क्रूरता अधिनियम संस्था, (दिल्ली सरकार) के सहयोग से दिल्ली के तीन विभिन्न स्थानों पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत बड़ी संख्या में आवारा कुत्तों, बिल्लियों को एंटी रेबीज टीकाकरण एवं मुफ्त इलाज किया गया।

इस अवसर पर श्री योगेंद्र कुमार ने बताया कि जब से कोरोना दौर शुरू हुआ है तब से पशु पक्षियों की भी स्थिति दयनीय हो गई है। कोरोना काल से पूर्व इन्हें जो इलाज मिलता था वह बहुत काम हो गया था, जिसकी वजह से काफी पशु पक्षियों की मृत्यु हो गई। इसी वजह से आज का शिविर आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में आवारा कुत्तों एवं बिल्लियों का एंटी रैबीज टीकाकरण एवं इलाज किया गया। ऐसा देखने में आया है कि आवारा कुत्तों, बिल्लियों आदि में यह बीमारी काफी फैलती जा रही है और यदि नियमित रूप से इनका टीकाकरण होता रहे तो आम जन के मन से भी रेबीज का भय कम होगा जिससे लोग भयमुक्त होकर इन आवारा कुत्तों, बिल्लियों आदि को अपना प्यार दुलार देंगे।

इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री व्यास कुमार पांडे, श्री इंद्र सोनी, श्री सुनील बाल्मीकि, श्री अनिल चौधरी, श्री विरेंद्र कुमार, श्री देवेंद्र मखीजा राम निवास यादव , जय नाथ, जोगेन्दर शर्मा , विक्रम सिंह आदि ने अपना भरपूर सहयोग दिया।

दक्षिणी निगम कोरोना की तीसरी लहर से निपटने में पूरी तरह सक्षमः मुकेश

नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली के महापौर मुकेश सुर्यान ने मंगलवार को तिलक नगर स्थित माता गुजरी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। सुर्यान ने कोरोना की तीसरी लहर के चलते अस्पताल प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों का जायजा लिया। इस निरीक्षण के दौरान डॉ. श्वेता चिकित्सा अधीक्षक, डा. आरएन प्रसाद सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। मुकेश सुर्यान ने औचक निरीक्षण के दौरान कोरोना के होम आइसोलेशन मरीजों को दक्षिणी निगम द्वारा प्रदान की जा रही वीडियो कंसल्टिंग सेवा का जायजा लिया। मुकेश सुर्यान ने अपने निरीक्षण के दौरान अस्पताल में लगे पीएसए ऑक्सीजन प्लांट एवं फ्लू क्लीनिक का निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध सेवाओं पर संतोष जताया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में चल रहे डायलिसिस सेंटर का भी निरीक्षण किया, डायलिसिस करने आए रोगियों से बात की। रोगियों ने अस्पताल द्वारा दी जा रही डायलिसिस सेवाओं की प्रशंसा की तथा एक रोगी ने बताया कि पहले वो जहां डायलिसिस कराती थी वहां से डायलिसिस करने के उपरांत सारा दिन थकान महसूस होती थी किंतु दक्षिणी निगम द्वारा संचालित डायलिसिस सेवा इतनी अच्छी है कि अब उन्हें थकान जैसी समस्या से छुटकारा मिल गया है।

पुलिस ने उमर खालिद की जमानत का विरोध किया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को दिल्ली दंगों के मामले में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद की जमानत याचिका का विरोध किया और कहा कि दंगों की साजिश का मकसद आखिरकार भारत सरकार को घुटनों पर लाना और लोकतंत्र की बुनियाद को अस्थिर करना था। खालिद और कई अन्य लोगों पर विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया है और उन पर 2020 में हुए दंगों की साजिश रचने का आरोप है जिनमें 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज्यादा लोग घायल हो गए। उनकी जमानत अर्जियों पर पांच महीने से अधिक समय से बहस चल रही है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत के समक्ष खालिद की जमानत अर्जी का विरोध करते हुए विशेष सरकारी अभियोजक (एसपीपी) अमित प्रसाद ने जेएनयू के पूर्व छात्र नेता के इन दावों का विरोध किया कि जांच एजेंसी सांप्रदायिक है और दंगों की साजिश के मामले में आरोपपत्र मनगढ़ंत है। पुलिस की ओर से प्रसाद ने कहा, आखिरकार मकसद सरकार को गिराना, संशोधित नागरिकता कानून पारित करने वाली संसद के अधिकारों को कमतर आंकना और इस लोकतंत्र की बुनियाद को ही अस्थिर करना था। उन्होंने कहा, भारत सरकार को घुटनों पर लाने और सीएए की वापसी के लिए दबाव बनाने की मंशा थी। यह बात मैं नहीं कह रहा। यह उस चैट के अंश से साबित होता है जिसमें साफ कहा जा रहा है कि सरकार को उसके घुटनों पर लाना होगा। प्रसाद ने आरोपपत्र के हवाले से दावा किया कि 2020 के दंगे अचानक से उपजी हिंसा नहीं थी। उन्होंने कहा, हमने आरोपपत्र से दर्शाया है कि 23 प्रदर्शन स्थल बनाए गए। उनकी योजना सोच-समझकर तैयार की गई और मस्जिदों की पास वाली जगहों को चिह्नित किया गया। प्रसाद ने कहा कि प्रदर्शनों में महिलाओं का प्रभुत्व नहीं था, बल्कि वे पुरुषों द्वारा संचालित थे और प्रदर्शन स्थलों पर बाहर से महिलाओं को लाया जा रहा था। उन्होंने कहा, हमने आरोपपत्र से यह भी दिखाया है कि दिसंबर 2019 के दंगों और फरवरी 2020 के दंगे में स्पष्ट रूप से तार जुड़े थे। एक ही तरह की अपराध की प्रवृत्ति नजर आई- सड़कों को अवरुद्ध करना, पुलिस पर हमले करना, संपत्तियों को नुकसान पहुंचाना और जनता तथा पुलिस के साथ हिंसा। प्रसाद ने कहा कि मामले में जांच से खुलासा हुआ है कि पुलिस कर्मियों, सरकारी कर्मचारियों और आम लोगों पर हमला करने और उन्हें मारने के लिए आग्नेयास्त्रों, पेट्रोल बम, तेजाब से हमलों, लाठियों, लोहे के सरियों, पत्थरों आदि का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि खालिद ने अपनी जमानत अर्जी पर दलीलों के समय अपने वकील के माध्यम से असंगत सामग्रियों पर ध्यान खींचकर अदालत के ध्यान को बांटने की कोशिश की। एसपीपी ने कहा, वह (खालिद) चाहता है कि उसकी अर्जी पर फैसला एक वेब सीरीज का संदर्भ लेते हुए हो और मौजूदा मामले की तुलना द फैमिली मैन या द ट्रायल ऑफ द शिकागो 7 से की जाए। आपके पास कुछ पुख्ता है नहीं और आप असंगत सामग्री की ओर ध्यान खींचकर अदालत का ध्यान बांटना चाहते हो।

झपटमार को उसकी जैकेट ने पहुंचाया सलाखों के पीछे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक झपटमार को उसकी भाग्यशाली हरी जैकेट ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। दिल्ली पुलिस ने इसकी जानकारी देते हुए मंगलवार को बताया कि 27 वर्षीय युवक मोबाइल फोन चोरी कर और बाद में झूठी कहानी सुनाकर रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों के पास बेचता था। उन्होंने बताया कि कूचा रहमान, बल्लीमरान का निवासी आरोपी फराज पर पूर्व में जिले के विभिन्न थानों में झपटमारी, चोट पहुंचाने और शस्त्र अधिनियम के तहत सात मामले दर्ज हैं। उसे अगस्त, 2021 में जेल से रिहा किया गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी अपनी पसंदीदा हरी जैकेट को भाग्यशाली मानता था क्योंकि इसने उसे कई बार पकड़े जाने से बचाया था लेकिन इस बार इसने उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। उन्होंने बताया कि मामला उत्तर दिल्ली के सिविल लाइन्स पुलिस थाना में झपटमारी की दो शिकायतें मिलने के बाद सामने आया। पुलिस के अनुसार, पहली शिकायत एक एम्बुलेंस चालक ने दर्ज की, जिसने आरोप लगाया गया कि दो जनवरी को सुबह लगभग 7:45 बजे, जब वह भैरो बाबा मंदिर की ओर जा रहा था, और सिविल लाइस क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप पर पहुंचा, तो उसे एक फोन आया।

अचानक, आरोपी दोपहिया वाहन पर आया और मौके से भागने से पहले उसका मोबाइल फोन छीनकर आईएसबीटी की तरफ फरार गया।

महापौर ने किया स्वामी दयानंद अस्पताल का निरीक्षण

■ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने मंगलवार को स्वामी दयानंद अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर महापौर के साथ स्वामी दयानंद अस्पताल की एमएस डॉ रजनी खेंडवाल भी मौजूद थीं। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अस्पताल द्वारा शुरू की गई कोविड मैत्री सेवा की प्रशंसा की जोकि आम जनता को कोविड संक्रमण के संबंध में ऑनलाइन परामर्श प्रदान करने के लिए शुरू की गई है। उन्होंने अस्पताल में व्यवस्था का जायजा लिया और ऑक्सीजन प्लांट भी देखा गया जोकि यह प्रति मिनट 1000 लीटर ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए तैयार है। श्याम सुन्दर अग्रवाल ने प्रसूति वार्ड में रोगियों के साथ बातचीत की और अस्पताल में होनी वाली परेशानियों के बारे में जानकारी ली। महापौर ने बताया कि अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले लोग अस्पताल में प्रदान की जाने वाली मातृत्व सेवाओं से संतुष्ट हैं। महापौर ने बताया कि अस्पताल में फार्मेसी में क्यू प्रबंधन प्रणाली ठीक से काम कर रही है जहां मरीजों को दवा लेने के लिए कतार में खड़े होने की जरूरत नहीं है और इस प्रकार सामाजिक दूरी का पालन होए यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

दिल्ली के उपराज्यपाल घर से काम के आदेश पर पुनर्विचार करें : सीएआईटी

नई दिल्ली। व्यापारियों के संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने मंगलवार को दिल्ली के उप राज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखकर डीडीएमए द्वारा शहर में कार्यालय से कारोबार करने पर रोक लगाए जाने पर पुनर्विचार करने की मांग की और साथ ही इस मुद्दे पर बातचीत के लिए समय देने का अनुरोध किया।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), जिसके अध्यक्ष बैजल हैं, ने मंगलवार को आदेश जारी कर कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर छूट वाली श्रेणी के कार्यालयों को छोड़ बाकी सभी निजी कार्यालयों को बंद करने का आदेश जारी किया। अबतक जो निजी कार्यालय 50 प्रतिशत मानव क्षमता के साथ काम कर रहे थे उन्हें घर से काम करने को कहा गया है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने कार्य-निष्पादन समीक्षा बैठक का आयोजन किया

नई दिल्ली

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने मंगलवार को प्रधान कार्यालय बडौदा हाउस नई दिल्ली में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर रेलवे के विभागाध्यक्षों एवं मंडल रेल प्रबंधको के साथ एक कार्य-निष्पादन समीक्षा बैठक का आयोजन किया। बैठक में गतिशीलता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने एवं विकासात्मक कार्यों और मालभाड़ा लदान को बल देने पर चर्चा की गई। उत्तर रेलवे ने समयपालनबद्धता का बेहतर रिकॉर्ड बनाए रखा है और रेलगाड़ियों को समय से चलाने पर बल दे रहा है। उन्होंने अस्पतालों में कोविड-19 के इंतजामों की भी समीक्षा की और निर्देश दिए कि कोविड-19 की दवाईयां सभी रोगियों को उपलब्ध होनी चाहिए और उनके लिए ऑक्सीजन की भी कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि रेलवे के लिए संरक्षा सर्वोपरि है। महाप्रबंधक ने रेलपथों,वेल्डों के अनुरक्षण मानकों को बेहतर बनाने और रेल पटरियों के निकट स्क्रैप को हटाने के लिए जोन में किए गए कार्यों की समीक्षा की । उन्होंने मंडलों से नियमित तौर पर निरीक्षण, निगरानी और गतिशीलता बढ़ाने संबंधी कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पटरियों में दरारों और वेल्ड़ों की निगरानी व्यापक रूप से की जानी चाहिए और कोई गलती नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने लोकोमोटिवों की उपलब्धता तथा उनके समय से अनुरक्षण पर बल दिया। उन्होंने अप्रभावी वैगनों को स्टॉक से हटाने के निर्देश दिए । उन्होंने रेलपथों पर विद्युत संरक्षा के साथ-साथ रेलगाड़ियों के निर्बाध परिचालन के लिए रेलपथों और रिले व पैनल रूमों में संरक्षा बनाए रखने पर बल दिया। उन्होंने रेल परिचालन में मानवीय त्रुटियों को कम करने पर जोर दिया। उन्होंने विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों को समय पालन बद्धता को बनाए रखकर और संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मालभाड़ा लदान की रफ्तार बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी वजह से रेलगाड़ियों के रूकने पर चिंता जताई और अधिकारियों को गतिशीलता बेहतर करने के निर्देश दिए। फ्रेट बिजनेस डेवलपमेंट पर बोलते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों के साथ परस्पर सम्पर्क बनाए रखना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए की बीडीयू को ग्राहकों के बीच भरोसे,सहयोग और आत्मविश्वास का माहौल बनाना चाहिए। उन्होंने रेलवे द्वारा दी जा रही रियायतों और उपायों को ग्राहकों तक पहुंचाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी बताया कि हर गुजरते माह के साथ खाद्यान्न और अन्य मदों के लदान में वृद्धि हुई है।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कर रहे थे विमान में सवार होने की कोशिश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हवाईअड्डे से उड़ान भरने की कोशिश कर रहे सात यात्रियों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को यह जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में एक एजेंट को भी गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि आरोपी एजेंट की पहचान उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के निवासी, पंकज उर्फ कमल के तौर पर हुई है। यात्रियों की पहचान अरमनदीप सिंह, अमृतपाल सिंह, जगदीप सिंह, गुरविंदर सिंह, राहुल जांगड़ा, दीपक और मनबीर के तौर पर की गई है। पुलिस ने बताया कि एक जनवरी को, देर रात करीब साढ़े बारह बजे शिकायत मिली थी कि एअर इंडिया के ग्राउंड कर्मी सात भारतीय यात्रियों को विमान से उतारने के लिए पहुंचे। इन यात्रियों को नाविकों के रूप में, पहले उड़ान संख्या एआई-133 से लंदन के लिए उड़ान भरने के लिए आव्रजन द्वारा मंजूरी दी गई थी।

उन्होंने बताया कि बोर्डिंग गेट पर यात्रा दस्तावेजों की जांच के दौरान, यह पाया गया कि उनके बोर्डिंग पास फर्जी थे और यात्रा दस्तावेजों का फिर से सत्यापन किया गया। पुलिस ने बताया कि इन सात कथित व्यक्तियों ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने बोर्डिंग पास, आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट और विमान में सवार होने की मंजूरी, ज्वाइनिंग लेटर, दिल्ली के दो एजेंटों कृष्णा और कमल से प्राप्त किए जिन्होंने प्रत्येक से इसके बदले 12,00,000 रुपए लिए।

दिल्ली के गांवों को टैक्स फ्री करने की मांग

मांगें नहीं पूरी होने पर होगा आंदोलन

नई दिल्ली

दिल्ली ग्राम पंचायत संघ दिल्ली प्रदेश ने दिल्ली के शहरीकृत और ग्रामीण गांवों को संपत्ति कर, पार्किंग शुल्क, कनवर्जन चार्ज व भवन उपनियम से मुक्त करने की लड़ाई आरंभ की।

संघ ने दिल्ली प्रदेश भाजपाए आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और तीनों नगर निगम के महापौरों को पत्र लिखकर समस्त गांवों को संपत्ति कर, पार्किंग शुल्क, कनवर्जन चार्ज व भवन उपनियम से मुक्त कराने की मांग की है। संघ ने उनसे आग्रह किया है कि तीनों नगर निगम के इस माह पास होने वाले बजट में उनकी मांग के संबंध में वे अपने दल की ओर से प्रस्ताव प्रस्तुत करें। संघ के प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली में करीब 360 गांव है जिन्हें केन्द्र व दिल्ली सरकार ने वर्ष 1963 से शहरीकृत का दर्जा देना आरंभ किया था और पांच चरणों में 225 गांवों को शहरीकृत का दर्जा दे दिया गया और 135 गांव अभी ग्रामीण गांव है। केन्द्र सरकार व दिल्ली सरकार अपनी आवासिय, व्यवसायिक, औद्योगिक एवं अन्य योजनाओं के अमलीजामा पहनाने के लिए अधिकतर गांवों की कृषि भूमि का कोड़ियों के भाव अधिग्रहण कर चुकी है। इस कारण ग्रामीण बेरोजगार हो चुके हैं, वहीं उन पर नगर निगम अनेक टैक्स लगाकर उनकी कमर तोड़ रही है, जबकि गांवों में शहर जैसी एक भी सुविधा नहीं है।

उन्होंने मांग की कि सभी गांवों के लाल डोरा परिसरों को संपत्ति कर से मुक्त रखा जाए, पार्किंग शुल्क व कनवर्जन चार्ज से भी लालडोरा परिसरों को मुक्त रखा जाए, भवन उपनियम से भी गांव लाल डोरा को बाहर रखा जाए, क्योंकि कृषि भूमि ही उनकी जिविका का एक मात्र साधन था और उसके अधिग्रहण करने के बाद केन्द्र एंव दिल्ली सरकार ने ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए न तो नौकरी दी और न ही उनको कारोबार करने का प्रशिक्षण दिया।

दिल्ली में 12-13 जनवरी को घना कोहरा छाए रहने की संभावना

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार और बृहस्पतिवार को दिल्ली में घना कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है। वहीं मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री तो अधिकतम पारा औसत से दो डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। साथ ही दिल्ली की वायु गुणवत्ता भी खराब श्रेणी में रही। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि न्यूनतम पारा 6.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है जबकि अधिकतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

इस बारे में उन्होंने बताया कि शाम साढ़े पांच बजे साक्षेप आर्द्रता 78 प्रतिशत थी।

दिल्ली में संक्रमण दर के साथ मौत का आंकड़ा भी बढ़ा

नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामलों में एक बार फिर उछाल आने के साथ-साथ मौत के आंकड़े भी लगातार बढ़ रहे हैं। मंगलवार को संक्रमण दर बढ़कर 26 फीसद से अधिक तक पहुंच गई। मौत का आंकड़ा भी 23 तक हो गया है, इससे पहले यह पिछले साल 16 जून को दिल्ली में कोरोना से 25 लोगों की मौत हुई थीं। वहीं एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 74 हजार से अधिक पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मंगलवार को कोरोना के 21259 नए मामले सामने आए। वहीं 12161 मरीजों को छुट्टी दी गई। जबकि 23 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में अभी तक 1590155 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 1490074 मरीज ठीक हो चुके हैं। जबकि 25200 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर घटकर 1.58 फीसद रही। विभाग के अनुसार दिल्ली में बढ़ते मामलों के साथ एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 74881 हो गई है। इनमें से होम आइसोलेशन में 50796 मरीज भर्ती हैं। वहीं कोविड केयर सेंटर में 627, कोविड हेल्थ सेंटर में 38 और अस्पतालों में 2161 मरीज भर्ती हैं। दिल्ली के अस्पतालों में 2209 मरीज भर्ती हैं। इनमें से 48 मरीज कोरोना लक्षण के साथ और कोरोना संक्रमित के 2161 मरीज भर्ती हैं। इनमें से आईसीयू में 523, ऑक्सीजन सपोर्ट और वेंटिलेटर पर 568 मरीज, वेंटिलेटर पर 84 मरीज भर्ती हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीजों में से 1908 मरीज दिल्ली के और 253 मरीज दिल्ली के बाहर से हैं। वहीं, दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए सोमवार को 82884 टेस्ट हुए, जिसमें 25.65 फीसद मरीज संक्रमित पाए गए। इन जांच के लिए आरटीपीसीआर से 61060 और रैपिड एंटीजन से 21824 टेस्ट हुए। दिल्ली में अभी तक 33643306 टेस्ट हो चुके हैं। दिल्ली में बढ़ते मामलों के साथ हॉटस्पॉट की संख्या बढ़कर 17269 हो गई है।

मास्क का उपयोग करके संक्रमण को रोका जा सकता हैः नरेश डॉ. त्रेहान

■ नई दिल्ली

दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने ब्रांड एंबेसडर डॉ नरेश त्रेहन और दीपा मलिक के साथ नागरिकों की सहभागिता के लिए और कोविड के बारे में उचित व्यवहार परिवर्तन के लिए एक इंटरेक्टिव वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में पालिका परिषद के अध्यक्ष धर्मेंद्र और सचिव ईशा खोसला भी उपस्थित थे। इस दौरान डॉ. नरेश त्रेहन अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सतत समाधान के रूप में समुदाय की सक्रिय भूमिका और वर्तमान परिदृश्य में कचरे को कम करने के लिए पृथक्करण की भूमिका के बारे में भी बताया। प्रतिभागियों के साथ बातचीत करते हुए डॉ त्रेहन ने कहा कि यह एक गलत धारणा है कि ओमीक्रोन के लक्षण हल्के और निम्न श्रेणी के हैं।

अब, परिदृश्य बदल रहा है और आंकड़ों से पता चलता है इसकी प्रवृत्ति छह सप्ताह में चरम पर होगी। अगले छह सप्ताह अत्यंत महत्वपूर्ण होंगे।

उन्होंने सलाह दी कि केवल मास्क का उपयोग करके ही इसके संक्रमण को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण सहायक है लेकिन पूरी तरह ढाल नहीं है और हर किसी को संपूर्ण एहतियात बरतने की

दिल्ली मेट्रो पुलिस का उद्देश्य मास्क के प्रति जागरुकता फैलाना : जितेंद्र मणि

■ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के अनुसार अगले 48 घंटे में कोरोना का पीक आ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कोरोना से बचाव का सबसे सस्ता एवं आसान उपाय है सही ढंग से मास्क लगाना। लोग मास्क लगाते नहीं हैं, जिसकी वजह से कोरोना फैलता है। इसे रोकने के लिए दिल्ली मेट्रो पुलिस लोगों का चालान काटती है, जबकि यह उसका उद्देश्य नहीं होता है। इस बारे में दिल्ली पुलिस उपायुक्त मेट्रो जितेंद्र मणि ने बताया कि पिछले वर्ष 3.50 करोड़ रुपए के चालान काटे गए थे, जबकि इस तीसरी लहर में अब तक 700 चालान काटे जा चुके हैं। दरअसल, पुलिस का उद्देश्य चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों में मास्क के प्रति जागरुकता फैलाना है। इस बारे में दिल्ली पुलिस से इन्द्रप्रस्थ संजीवनी के अध्यक्ष डॉ. संजीव अरोड़ा ने संपर्क कर प्रस्ताव रखा कि उनके कार्यकर्ता बड़े मेट्रो स्टेशनों के सामने मास्क मैन के रूप में उपलब्ध रहेंगे और बिना मास्क वाले आदमी को फ्री में मास्क देंगे। यह बहुत अच्छी पहल है। दिल्ली मेट्रो पुलिस ने अपने स्तर पर कई बार मास्क बांटने की पहल की है, हमने जागरुकता फैलाने के लिए गुलाब के फूल भी बांटे, जिसे काफी अच्छा रेस्पांस मिला।

संपादकीय

चिंता और उम्मीद

कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर में रोज संक्रमितों का आंकड़ा पौने दो लाख तक पहुंचना हम सब की चिंता का विषय है। सोमवार को देश में डॉक्टरों, चिकित्सा कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्करों व साठ साल से अधिक के विभिन्न रोगों से जूझते लोगों को सुरक्षा डोज देने के अभियान की शुरुआत हुई जो निश्चय ही कोरोना की नई लहर से जूझने में हमारी ताकत को बढ़ाएगा। बहरहाल, तेजी से बढ़ते संक्रमण की चिंता को देखते हुए रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक वर्चुअल बैठक के जरिये किशोरों के टीकाकरण को तेज करने तथा नये वेरिएंट के जीनोम सिक्वेंसिंग को विस्तार देने की बात कही। साथ ही कोविड संकट के प्रबंधन के साथ सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं को भी जारी रखने की बात कही। हालांकि, विभिन्न राज्य सरकारों ने संक्रमण को देखते हुए अपने स्तर पर बचाव के उपाय व पाबंदियां लगायी हैं, लेकिन फिलहाल सख्त लॉकडाउन की संभावना नजर नहीं आती। वजह साफ है कि पहली लहर में सख्त लॉकडाउन से संक्रमण तो रुका लेकिन आर्थिक व व्यापारिक गतिविधियों पर बुरा प्रभाव पड़ा। एक नयी तरह की मानवीय त्रासदी सामने आई। बहरहाल, नई लहर के चलते तमाम ऐसे लोग भी टीकाकरण के लिये सामने आ रहे हैं जिन्होंने पहली या दूसरी डोज लगवाने में कोताही बरती थी। इस मामले में किशोरों ने जिस उत्साह के साथ टीकाकरण में भाग लिया, वह पूरे देश के लिये प्रेरणादायक है। अब जरूरत इस बात की है कि पहली व दूसरी लहर की चूकों से सबक लिया जाये। यह चिंता की बात है कि हरियाणा व देश के अन्य भागों में बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों के बावजूद आक्सीजन प्लांट नहीं लगवाये। केंद्र व राज्यों को देखना होगा कि कोरोना संक्रमण से लड़ाई के उपाय महज कागजों तक ही सीमित न रह जायें। घोषणाओं से ज्यादा महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन होना चाहिए।

स्थानीय स्तर पर प्रशासन का दायित्व बनता है कि सरकारी व निजी अस्पतालों में जरूरी दवाओं, बेड व ऑक्सीजन आदि की प्रचुर व्यवस्था हो। व्यक्ति के रूप में जहां हमें संक्रमण की चेन को तोड़ने की जरूरत है, वहीं वंचित समाज की मदद को भी आगे आना चाहिए। आर्थिक विषमता की खाई के बीच इंसानियत के मूल्यों की रक्षा भी करनी है, जो संकट में मुनाफा तलाशते हैं, उन्हें बेनकाब करना है। निस्संदेह, संक्रमण की गति तेज है लेकिन मानवीय संकल्प के आगे हर चुनौती हारती है। इसी बीच आईआईटी कानपुर ने गणितीय गणनाओं के आकलन से संकेत दिया है कि कोविड-19 की तीसरी लहर का पीक इसी माह के अंत तक आ जायेगा। आकलन में कहा गया है कि देश में पीक पर चार से आठ लाख केस रोज आ सकते हैं, फिर इसमें तेजी से गिरावट आएगी। वहीं दिल्ली व मुंबई में रोज पचास से साठ हजार संक्रमण के मामले आ सकते हैं तथा सात दिन का औसत तीस हजार रहेगा। गणितीय आकलन के आधार पर दिल्ली-मुंबई में एक सप्ताह के बाद पीक के आकलन के प्रति आश्वस्त रिपोर्ट बताती है कि शेष देश के आंकड़ों के लिये अभी इंतजार करना होगा। तभी पूरे देश के पीक के बारे में सटीक निष्कर्ष दिया जा सकेगा। बहरहाल, तीसरी लहर में मरीजों के अस्पताल में कम संख्या में भर्ती होने व दूसरी लहर के मुकाबले मृत्युदर कम होने से उम्मीद जगी है कि देश इस चुनौती का सफलतापूर्वक मुकाबला कर सकेगा। देश अपनी बड़ी वयस्क आबादी का टीकाकरण कर चुका है। लेकिन इसके बावजूद इस लड़ाई में संसाधनों की व्यवस्था व नागरिकों की सजगता के स्तर पर कोई चूक नहीं होनी चाहिए। चिकित्सा वैज्ञानिक मान रहे हैं कि जिस तेजी से इस नये वायरस का संक्रमण बढ़ा है, उसी तेजी से इसमें गिरावट आएगी। दुनिया के दूसरे देशों में यही ट्रेंड देखने को मिला है। बहरहाल, हमें जान व जहान की हिफाजत का मंत्र याद रखना है। साथ ही इससे उपजी आर्थिक, सामाजिक व मानसिक समस्याओं के निराकरण की दिशा में भी हमें सोचना होगा।

राजनीतिक दलों की जवाबदेही

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों के चुनाव की घोषणा कर दी है, लेकिन कोरोना विषाणु महामारी के तेजी से फैलाव के मद्देनजर यह कहा जा सकता है कि राजनीतिक दल अपनी जवाबदेही के साथ चुनाव प्रक्रिया में शामिल हों। यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि चुनावी रैलियां और चुनावी सभाएं कोरोना महामारी का सुपर वाहक साबित होंगी। इसलिए चुनाव आयोग ने 15 जनवरी तक पूरी तरह से रोड शो, रैलियां, साइकिल यात्रा और पद यात्रा पर रोक लगा दी है। चुनाव आयोग के इस फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। एक सर्वेक्षण में यह दावा किया गया है कि 41 प्रतिशत लोग राजनीतिक दलों की रैलियों पर प्रतिबंध का समर्थन करते हैं। इस बीच देखना बहुत दिलचस्प होगा कि राजनीतिक दल अपना चुनाव प्रचार किस तरह करते हैं। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को डिजिटल, वर्चुअल, मीडिया प्लेटफॉर्म और मोबाइल के माध्यम से चुनाव प्रचार का सुझाव दिया है। इसके अतिरिक्त अधिक-से-अधिक 5 व्यक्तियों का समूह घर-घर जाकर अपना प्रचार अभियान चला सकते हैं। चुनाव प्रचार के लिए सोशल मीडिया एक बड़ा जरिया बन सकता है। भारत में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने वालों की संख्या कम नहीं है। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और समर्थक अपने-अपने उम्मीदवारों का प्रचार करने के लिए फेसबुक, ट्विटर, व्हाटसऐप और ऑनलाइन मदद ले सकते हैं। चुनाव आयोग ने पहली बार उम्मीदवारों को ऑनलाइन के जरिये नामांकन की सुविधा दी है। वास्तव में आयोग के सामने बड़ी चुनौती है। जीवन की अनिवार्य गतिविधियों को ठप नहीं किया जा सकता तो दूसरी ओर जान है तो जहान है। इसलिए चुनाव के दौरान कोरोना के संक्रमण को रोकना भी जरूरी है, लेकिन यह काम अकेले चुनाव आयोग नहीं कर सकता। राजनीतिक दलों की भी भूमिका बहुत अनिवार्य है। उन्हें इस बात का ध्यान रखना होगा कि पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन न करें। अगर चुनाव आयोग और राजनीतिक दल मिलकर सख्त कोरोना नियमों के तहत चुनाव कराने में सफल हो जाते हैं तो चुनाव प्रचार की एक नई परंपरा स्थापित हो सकती है। डिजिटल चुनाव प्रचार से रुपये-पैसों की बर्बादी की रोक लग सकेगी। राजनीति को भी एक नई दिशा मिलेगी। लोकतंत्र के लिए यह शुभ होगा।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

अस्पताल जाने से पहले वोट देना

इलेक्शन आ गया है-दे दनादन, इधर भी इलेक्शन, उधर भी इलेक्शन। रैली है, थैली है, जनता अकेली है। ओमीक्रोन है, नेता इस पर मौन हैं। अभी तो वोट दे जाओ, चाहे बाद में मर जाओ। मरने के पहले वोट देकर जाना। अस्पताल से पहले पोलिंग बूथ पर आना। कसम है तुम्हे लोकतंत्र की। वोट देकर जाना। लोकतंत्र का उत्सव इसी को कहते हैं, लोकतंत्र किसी के लिए भयंकर ठंड में सरकारी कागजी रैन बसेरा होता है, और किसी के लिए तो लोकतंत्र परमानेंट ही उत्सव ही होता है। लोकतंत्र में बस यही एक मजबूरी है कि पांच साल में एक बार वोट मांगने आना होता है, तो वरना तो लोकतंत्र बहुत ही बड़ा उत्सव होता, अहतनश, लगातार। लोकतंत्र के उत्सव में चुनाव व्यवधान हैं। मुर्दा वोट देने पहुंच जाए, तो समझो लोकतंत्र का उत्सव। 105 साल का बुजुर्ग वोट डालने पहुंचे, तो समझो कि लोकतंत्र का उत्सव।

अब कोरोना ने लोकतंत्र के नये उत्सवों का मौका दिया है। ऑक्सीजन लेवल बंदे का 50 पर आ गया है, पर बंदा अस्पताल ना गया, वोटिंग बूथ गया, वोट डालकर आया, यानी लोकतंत्र का उत्सव। बंदा वोट डालकर चाहे मर जाए कोई मसला नहीं, उत्सव तो वोट डालते ही पूरा हो जाता है। उसके पहले और बाद में वोटर की खुद की जिम्मेदारी है।

लोकतंत्र का उत्सव इस मुल्क में इतना चलता है कि कई बार लगता है कि भारत को क्यों उत्सव प्रिय देश कहा जाता है। लोक सभा का चुनाव, विधानसभा का चुनाव, फिर नगर निगम का चुनाव फिर पंचायत का चुनाव। लोकतंत्र के इतने उत्सव हैंग फिर भी सब मामला ठीक क्यों नहीं होता। अस्पताल ठीक क्यों नहीं होते स्कूल ठीक काम क्यों नहीं करते।

जी लोकतंत्र सबके लिए ही उत्सव होगा, ऐसा तो ना बताया गया था। कुछ के लिए उत्सव है बहुत बड़ी सी दावत है। बहुत दिव्य दावतों में बाहर कई लोग खड़े रहते हैं कुछ बच जाए, दावतों में तो उन्हे भी मिल जाए, आम आदमी के लिए लोकतंत्र ऐसा ही उत्सव है, एक रैली में जाने पर खाना मिल जाएगा, एक वक्त की शराब भी मिल सकती है। और कितना उत्सव मनाएगा आम आदमी।

'सोशल मीडिया' किस दल में कितना दम?

प्रभुनाथ शुक्ला

पांच राज्यों में राज्य विधानसभा चुनाव घोषित हो गए हैं। चुनाव आयोग ने मतदान और मतगणना की तारीख भी सुनिश्चित कर दिया है। चुनाव बेहद नाजुक दौर में हो रहा है। जब पूरी दुनिया महामारी की चपेट में है उस स्थित में चुनाव करना कितना जायज है यह भी अपने आप में सवाल है। आम चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद है और जनता का अधिकार भी। दुनिया के किसी भी देश के लिए सत्ता और सरकार चुनने का यह माध्यम सबसे निष्पक्ष और पारदर्शी है। लेकिन कोविड-19 के दौर में लोगों की सुरक्षा का भी ख्याल रखना होगा। चुनाव आयोग ने अपनी गाइड लाइन में कोविड प्रोटोकॉल का विशेष ख्याल रखा है।

चुनाव आयोग ने पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और राजनीतिक लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के नए नियम बनाए हैं। जिसमें 15 जनवरी तक कोई भी राजनीतिक दल रोड शो, रैली नहीं कर सकता है। यहां तक कि नुक्कड़ सभा और पदयात्रा पर भी रोक होगी। सिर्फ डोर-टू-डोर मिलने की अनुमति दी गई है। ऑनलाइन नामांकन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। अत्यधिक बुजुर्ग मतदाताओं के लिए घर से ही वोटिंग करने का फैसला लिया गया है। लेकिन इस हालात में लोकतंत्र की मूल भावना कहीं ना कहीं से प्रभावित होगी। क्योंकि जनसभाओं के माध्यम से जो बात जनता तक पहुंचती है वह वर्चुअल मंच के जरिए संभव नहीं है।

यह बात सच है कि देश में शिक्षा और संचार क्रांति की वजह से वर्चुअल दुनिया ने नया आयाम लिया है। कोविड काल में यह मंच सबसे सुरक्षित और प्रभावशाली साबित हुआ है। राजनीतिक दल बदले माहौल में इसका कितना अधिक उपयोग कर सकते हैं यह देखना होगा। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में तकरीबन 25 लाख मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। 18 करोड़ से अधिक लोग अपना वोट डालेंगे। तकरीबन 10 करोड़ पुरुष और 8 करोड़ 50 लाख महिला मतदाता होंगी। 690 पोलिंग बूथों पर मतदान की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। 50 हजार से अधिक केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती होगी। पंजाब में 117, गोवा में 40 मणिपुर में 60 और उत्तराखंड में 70 सीटों पर मतदान होगा। जबकि उत्तर प्रदेश में 403 सीटों के लिए सात चरणों में चुनाव संपन्न होंगे। 1620 महिला पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। संक्रमण को देखते हुए एक पोलिंग बूथ पर सिर्फ 1250 मतदाता अपने वोट डाल पांएगे।

> सम्बंधित आंकड़ों को देखने से यह साबित होता है कि भारतीय जनता पार्टी अपने सभी प्रतिद्वंदी दलों में वर्चुअल दुनिया में सबसे अधिक मजबूत है। अब सियासी जमीन पर कौन किस पर कितना भारी पड़ेगा यह वक्त बताएगा।

हालांकि जिन परिवारों ने दूसरी लहर का सामना किया है और अपने किसी प्रिय परिजन को खोया है ऐसे परिवार किसी भी कीमत में संक्रमण का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। ऐसे हालात में चुनाव आयोग को ऑनलाइन वोटिंग पर भी विचार करना चाहिए। जब वर्चुअल सभाएं हो सकती हैं तो ऑनलाइन वोटिंग की सुविधा क्यों नहीं दी जा सकती। महामारी की स्थिति को देखते हुए चुनाव आयोग को इस पर बहुत पहले से ही निर्णय लेना चाहिए था। लोकतंत्र के उत्सव का महानायक मतदाता है, उसकी जान को जोखिम में डालकर चुनाव संपन्न कराना कितना जायज है। इसका जवाब राजनीतिक दल और आयोग ही दे सकता है। लेकिन इसका प्रभाव वोटिंग पर साफ दिख सकता है। मतदान में गिरावट आ सकती है।

प्रचार माध्यम में जहां तक वर्चुअल मंच की बात है उसमें भारतीय जनता पार्टी सबसे नंबर वन है। भाजपा का आईटी सेल बहुत ही मजबूत और जमीनी स्तर पर काम करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और और कार्यकर्ता सोशल मीडिया मंच पर सक्रिय रहते हैं। फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब, व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम पर पार्टी के लाखों लाख फॉलोअर्स हैं। भाजपा के बाद समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी अधिक सक्रिय हैं। सपा में सिर्फ अखिलेश यादव खुद ही वर्चुअल मंच पर सक्रिय दिखते हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भाजपा ने डेढ़ लाख पन्ना और बूथ प्रमुखों को व्हाट्सऐप ग्रुप से जोड़ रखा है। पार्टी ने 2016 में ही हर उस उम्मीदवार के लिए शर्त रखी थी कि जो भी पार्टी का टिकट चाहेगा सोशल मीडिया पर उसके लिए 25 हजार फॉलोअर्स होने चाहिए। भाजपा की केंद्रीय इकाई से एक करोड़ 73 लाख लोग वर्चुअल प्लेटफार्म से जुड़े हैं। एक करोड़ 58 लाख फेसबुक पर 42 लाख इंस्टाग्राम और 40 लाख यूट्यूब पर हैं। जबकि उत्तर प्रदेश में 49 लाख से अधिक लोग फेसबुक पर हैं। 78 लोग इंस्टाग्राम पर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास 1 करोड़ 68 लाख फॉलोअर्स हैं। उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा के पास 22 लाख और केशव प्रसाद मौर्य से 33 लाख लोग जुड़े हैं।

सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा का सीधा मुकाबला समाजवादी पार्टी से है। ट्विटर हैंडिल और फेसबुक पर उसके 28 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से एक करोड़ 58 लाख लोग जुड़े हैं। जबकि रामगोपाल यादव के पास 1 लाख 38 हजार और शिवपाल यादव के पास सबसे कम 7 लाख 50 हजार फॉलोअर्स हैं। देश की सबसे बड़ी और पुरानी पार्टी रहीं कांग्रेस के पास 84 लाख फॉलोअर्स राष्ट्रीय स्तर पर हैं जबकि राज्य इकाई के पास सिर्फ 4 लाख 60 हजार लोग जुड़े हैं। फेसबुक पर 57 लाख 62 हजार, इंस्टाग्राम 10 लाख और यूट्यूब 17 लाख लोग हैं।

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी के पास 44 लाख लोग हैं। उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के पास तकरीबन दो लाख फॉलोअर्स हैं। जबकि पीएल पुनिया के पास एक लाख 31 हजार से अधिक लोग जुड़े हैं। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के पास तकरीबन दो करोड़ फॉलोअर्स हैं। उत्तर प्रदेश की बहुजन समाज पार्टी की बात करें तो वह सोशल मीडिया से काफी दूरी बनाए रखती है। ट्विटर हैंडल पर उसके ढाई लाख से कम फॉलोअर्स हैं।

बसपा का फेसबुक पेज अधिकृत रूप से अभी वेरीफाइड नहीं है उस पर केवल 12 हजार लोग जुड़े हैं। पार्टी के ट्विटर हैंडिल पर समर्थकों की संख्या दो लाख 42 हजार है। बसपा मुखिया मायावती के पास सिर्फ 23 लाख फॉलोअर्स हैं। पार्टी के ब्राह्मण नेता कहे जाने वाले सतीश मिश्र के पास सिर्फ 40 हजार समर्थक हैं। सम्बंधित आंकड़ों को देखने से यह साबित होता है कि भारतीय जनता पार्टी अपने सभी प्रतिद्वंदी दलों में वर्चुअल दुनिया में सबसे अधिक मजबूत है। अब सियासी जमीन पर कौन किस पर कितना भारी पड़ेगा यह वक्त बताएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

समान नागरिक संहिता

न्यायपालिका के सुझावों की फिर अनदेखी

अनूप भटनागर

लड़कियों की विवाह की आयु बढ़ाकर लड़कों के समान करने के लिए संसद में विधेयक पेश करने वाली केंद्र सरकार के रुख से ऐसा लगता है कि समान नागरिक संहिता बनाने संबंधी संविधान का अनुच्छेद 44 अभी लंबे समय तक सुप्त प्रावधान ही रहेगा। इस निष्कर्ष पर पहुंचने की वजह केन्द्र सरकार का हलफनामा है जो उसने समान नागरिक संहिता के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित जनहित याचिका में दाखिल किया है।

देश में तेजी से हो रहे सामाजिक बदलाव के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न धर्मों, संप्रदायों और पंथों में प्रचलित विवाह और विवाह विच्छेद के कानून एवं रीति-रिवाज, तलाक की स्थिति में महिलाओं के अधिकार, गुजारा भत्ता और संपत्ति में उनके अधिकार जैसे मुद्दों के न्याय संगत समाधान के लिए अब समान नागरिक संहिता की जरूरत पहले से ज्यादा महसूस की जा रही है।

यही वजह है कि 1985 में शाहबानो प्रकरण से लेकर कई मामलों में न्यायपालिका ने संविधान के अनुच्छेद 44 में प्रदत्त समान नागरिक संहिता लागू करने पर विचार करने का सरकार को सुझाव दिया है। परंतु ऐसा लगता है कि महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने के न्यायपालिका के सुझावों के प्रति केंद्र गंभीर नहीं है या फिर वह इसमें राजनीतिक नफा-नुकसान की संभावनाएं तलाश रहा है। संविधान के अनुच्छेद 44 के अनुसार, 'शासन भारत के समस्त राज्य क्षेत्र में नागरिकों के लिये एक समान सिविल संहिता प्राप्त कराने का प्रयास करेगा।'

बहुचर्चित शाहबानो प्रकरण में 1985 में उच्चतम न्यायालय ने समान नागरिक संहिता बनाने का सुझाव दिया था। इसके बाद भी हिन्दू व्यक्ति द्वारा पहली पत्नी से विवाह विच्छेद के बगैर ही धर्म परिवर्तन करके दूसरी शादी करने या फिर अंतरजातीय विवाह में उत्पन्न विवादों के समाधान में आड़े आने वाली परंपराओं और तीन तलाक की कुप्रथा से प्रभावित मुस्लिम महिलाओं के लिए गुजारा भत्ता जैसे मामले हल करने के लिए न्यायपालिका लगातार समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर जोर देती रही है।

लेकिन अब केन्द्र सरकार ने उच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामे में साफ कर दिया है कि यह विधायिका के अधिकार क्षेत्र का मामला है जिस पर गहराई से अध्ययन की आवश्यकता है। सरकार ने यह हलफनामा भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की जनहित याचिका में दाखिल किया है। उपाध्याय चाहते हैं कि न्यायालय समान नागरिक संहिता का मसौदा तीन महीने के भीतर तैयार करने का निर्देश केंद्र को दे।

केंद्र में दाखिल इस हलफनामे में कानून मंत्रालय ने कहा है कि संविधान के अंतर्गत सिर्फ संसद ही यह काम कर सकती है और न्यायालय कोई कानून विशेष बनाने का निर्देश विधायिका को नहीं दे सकता है। यह सर्वविदित है कि कानून बनाने का अधिकार संसद का ही है और इसीलिए शाहबानो प्रकरण से लेकर अभी तक कई मामलों में न्यायपालिका ने संसद को समान नागरिक संहिता लागू करने पर विचार करने का सुझाव दिया है। यह सुझाव वैसे भी महत्वपूर्ण है क्योंकि गोवा में पहले से ही समान नागरिक संहिता लागू है।

भारतीय जनता पार्टी हमेशा ही समान नागरिक संहिता की पक्षधर रही है और उसने अपने चुनावी घोषणा पत्र में इसे शामिल भी किया था। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने इस संवेदनशील विषय को जून, 2016 में विधि आयोग के पास भेजा था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बलबीर सिंह चौहान की अध्यक्षता वाले विधि आयोग ने 31 अगस्त, 2018 को सरकार को भेजे अपने परामर्श पत्र में कहा था कि फिलहाल समान नागरिक संहिता की आवश्यकता नहीं है। विधि आयोग का मत था कि समान नागरिक संहिता बनाने में कुछ बाधाएं हैं। आयोग ने इनमें पहली बाधा के रूप में संविधान के अनुच्छेद 371 और इसकी छठवीं अनुसूची की व्यावहारिकता का उल्लेख किया था। अनुच्छेद 371(ए) से (आई) तक में असम, सिक्किम, अरुणाचल, नगालैंड, मिजोरम, आंध्र प्रदेश और गोवा के बारे में कुछ विशेष प्रावधान हैं, जिनके तहत इन राज्यों को कुछ छूट प्राप्त हैं।

विधि आयोग की राय है कि हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई, पारसी और समाज के विभिन्न धर्मों और समुदायों में प्रचलित कानूनों में महिलाओं को ही कई तरह से वंचित किया गया है। और यही भेदभाव तथा असमानता की मूल जड़ है। इस समानता को दूर करने के लिये संबंधित पर्सनल लॉ में उचित संशोधन करके इनके कतिपय पहलुओं को संहिताबद्ध किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय में केन्द्र सरकार के हलफनामे के बाद एक बात तो साफ हो गयी है कि संविधान के अनुच्छेद 44 में प्रदत्त समान नागरिक संहिता का विषय फिलहाल जस का तस राजनीतिक मुद्दा ही बना रहेगा और निकट भविष्य में शायद ही प्रावधान अमल में आ सके।

इस बीच, अश्विनी उपाध्याय ने 'एक देश-एक नागरिक संहिता' विषय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिख कर इसे लागू करने के लाभ और इसे लागू नहीं करने से उत्पन्न हो रही समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि लड़कियों की विवाह की उम्र 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करने संबंधी बाल विवाह निषेध संशोधन विधेयक के माध्यम से विभिन्न समुदायों में प्रचलित उनके निजी कानूनों में भी प्रस्तावित संशोधन करके समस्या का कुछ हद तक समाधान हो सकेगा। फिलहाल तो यह विधेयक संसदीय स्थायी समिति के पास विचारार्थ है।

रैलियों पर रोक

समझदारी भरा फैसला

सुशील देव

देर से ही सही, कोरोना संक्रमण को रोकने के मद्देनजर राजनीतिक दलों ने अपनी रैलियों और सभाओं पर रोक लगाने का जो फैसला किया, वह सराहनीय पहल कहा जा सकता है। जिस प्रकार कोरोना की तीसरी लहर लोगों को तेजी से अपने चपेट में ले रही है। ऐसे में चुनाव जैसे महद्ववपूर्ण राष्ट्रीय उत्सव को सतर्कता के साथ आगे ले जाने की जरूरत है। अच्छी बात है कि सबसे पहले कांग्रेस ने अपनी 15 सभाएं रद्द करने का निर्णय लिया।

कोरोना वेरिएंट ओमीक्रोन के बढ़ते मामले को देखते हुए कांग्रेस ने जो दरियादिली दिखाई है, दूसरी अन्य पातटयों के लिए यह अनुकरणीय बन गया। इसके बाद समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी ने भी विधानसभा चुनाव के कई कार्यक्रम रद्द कर दिए। बड़ी बात यह है कि राजनीतिक दलों के इस कदम से जनता को बहुत राहत मिली है। उनके बीच एक संदेश गया है कि-जान है तो जहान है। सबसे पहले इस महामारी में खुद को बचाना बेहद जरूरी है। अब तो पांच राज्यों में चुनाव के तारीखों की घोषणा भी हो चुकी है, जिसमें बकायदा चुनाव आयोग ने कहा है कि डोर-टु-डोर कैंपेन में भी अधिकतम पांच लोग ही शामिल हो सकेंगे। चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना गाइडलाइंस का पूरी तरह अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। इसमें शामिल होने वाले लोगों के लिए कोरोना से बचाव के लिए मास्क और सैनिटाइजर की व्यवस्था राजनीतिक दल ही करेंगे और मतगणना के बाद किसी भी तरह के विजय जुलूस की इजाजत नहीं होगी। जैसा कि आपको मालूम है कि पिछली दो लहर में देश में कितनी जानें गई। अचानक कोरोना के मरीज बढ़ जाने से अस्पतालों में कितनी अफरा-तफरी मची। दवा या ऑक्सीजन को लेकर कितनी मुसीबतें झेलनी पड़ी। घर से श्मशान तक कैसे लोगों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। यह सोचकर भी दिल कांप उठता है। देश भर में जबरदस्त वैक्सीनेशन के बावजूद अगर कोरोना का वैरिएंट हमें फिर से डराने लगा है और अपनी गिरफ्त में लेने लगा है तो हमें सचेत हो जाना चाहिए। सरकार और प्रशासन को भी अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। देशहित से पहले जनहित का ख्याल रखना भी हमारे नेताओं का कर्तव्य बनता है। पिछले चुनाव में रैलियों और सभाओं की भरमार रही थी, जिस वजह से महामारी का संकट और भी बढ़ गया था। अब पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव है तो एक प्रकार से तीसरी लहर ने दस्तक दे दी है। कांग्रेस ने जहां उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ और वाराणसी में आयोजित होने वाले- लड़की हूं लड़ सकती हूं, मैराथन के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया। वहीं समाजवादी पार्टी ने 7 से 9 जनवरी तक गोंडा, बस्ती और अयोध्या में होने वाली अपनी विजय रथ यात्रा को भी निरस्त कर दिया। दूसरी तरफ भाजपा ने नोएडा में होने वाली मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रैली रद्द कर दी, साथ ही 9 जनवरी को लखनऊ में होने वाली प्रधानमंत्री मोदी की रैली को भी स्थगित कर दिया।

माना जा रहा था कि इस रैली से ही पीएम मोदी विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकने वाले थे। पार्टी की ओर से हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गईग लेकिन जनहित में यह फैसला जनता को राहत पहुंचाने वाला जरूर है। इसे देखते हुए आम आदमी पार्टी ने भी अपनी कई सभाओं को रद्द कर दिया। यह भी सुकून भरी खबर है कि इनमें कई पातटयां अब वर्चुअल रैली की ओर रुख कर रही हैं। विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी पातटयां डिजिटल रैली और जनसभाएं कर सकती हैं। सभी राजनीतिक दलों ने उप्र में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए यह कदम उठाया है। चुनाव आयोग ने भी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे अपने चुनाव प्रचार कार्यक्रमों को डिजिटल मोड में ही चलाएं। वैसे 15 जनवरी तक कोई भी रोड शो, बाइक रैली, जुलूस या पद यात्रा की इजाजत नहीं होगी। यही नहीं 15 जनवरी तक कोई फिजिकल रैली भी नहीं आयोजित की जाएगी।

बढ़ते कोरोना के बीच पांच राज्यों के चुनाव को संपन्न कराना चुनाव आयोग के लिए भी किसी चुनौती से कम नहीं। जब 30 दिसम्बर को मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा लखनऊ गए थे तो इस मामले में कई सावधानियां बरतने के आदेश दिए थे। पार्टी ने चुनाव आयोग से मांग की थी कि बड़ी रैलियों के बजाए छोटी सभाएं और चौपाल की इजाजत दी जाए। कई दलों ने डिजिटल मोड में प्रचार-प्रसार करने की मंशा जताई थी। देश में एकबार फिर जब कोरोना मामले लाखों में पहुंच चुका है तो चिंता होना लाजिमी है, ऐसे में अन्य पातटयों को भी अपना बड़ा दिल दिखाने की जरूरत है। विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसे में प्रधानमंत्री को फिरोजपुर दौरा रद्द कर देना चाहिए था। जब आप ऐसा करते हैं तो जनता के बीच यह संदेश जाता है कि जब प्रधानमंत्री ऐसा निर्णय ले सकते हैं तो उन्हें भी सरकार के उपायों एवं बचाव संबंधी सलाह को गंभीरता से लेना चाहिए। तीसरी लहर की पहले से आशंका लगने लगी थी, इसके बावजूद पाबंदियों का उल्लंघन होता रहा। परिणाम हमारे सामने हैं। रैली एवं सभाओं पर रोक लगाकर महामारी रोकने का जो मन बनाया गया है। उसे लेकर आयोग को भी ऐसा दिशा-निर्देश बनाना चाहिए ताकि जनता का भी हित हो और नेता भी उन तक अपनी बात आसानी से पहुंचा सके।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

प्रमुख सचिव ने खाद्यान्न गोदाम, राशन की दुकान, गो संरक्षण केन्द्र,का किया निरीक्षण

संवाददाता

प्रयागराज। प्रमुख सचिव, दुग्ध विकास, मत्स्य, समन्वय तथा पशुधन विभाग, उ0प्र0 शासन तथा जनपद के नोडल अधिकारी सुधीर गर्ग बुधवार को जनपद भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत बहादुरपुर में खाद्यान्न गोदाम, ग्राम पंचायत कटका अंदावा में राशन की दुकान, लाहुरपुर में गो संरक्षण केन्द्र, आईसीसीसी में स्थापित एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर, स्वरूपरानी अस्पताल तथा जीआईसी में वैक्सीनेशन सेंटर का निरीक्षण किया। लाहुरपुर में गो संरक्षण केन्द्र के निरीक्षण में नोडल अधिकारी ने मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को गो संरक्षण केन्द्र के बाहर ''हरा चारा लाओ, खाद ले जाओ'' का बोर्ड लगाने तथा इसका किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार करने

के लिए कहा है। उन्होंने वहां पर संरक्षित गोवंशों के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी ने बताया कि वर्तमान समय में गो संरक्षण केन्द्र में कुल 85 गोवंश संरक्षित है। नोडल अधिकारी ने गो संरक्षण केन्द्र में संरक्षित गोवंशों को गुड़ भी खिलाया। उन्होंने गो संरक्षण केन्द्रों पर भूसे चारे का पर्याप्त स्टॉक बनाये रखने के लिए कहा है। उन्होंने गो संरक्षण केन्द्रों साफ-सफाई की भी समुचित व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है। नोडल अधिकारी ने आईसीसीसी में स्थापित एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने वहां पर कार्यरत कर्मचारियों/अधिकारियों को कोविड-19 के लक्षण से युक्त तथा होम आइशोलेशन में रह रहे लोगो से नियमित रूप से फोन के माध्यम से बातचीत करने तथा उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए कहा है। उन्होंने कम्प्यूटर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों के लिए हेडफोन उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है।

तदुपरांत स्वरूपरानी हॉस्पिटल पहुंचकर नोडल अधिकारी ने वहां नवनिर्मित आक्सीजन प्लांट का निरीक्षण किया तथा वहां के प्रधानाचार्य से आक्सीजन प्लांट की क्रियाशीलता के बारे में जानकारी ली, जिसपर प्रधानाचार्य के द्वारा बताया गया कि आक्सीजन प्लांट क्रियाशील है और इससे अस्पताल में आक्सीजन की सप्लाई की जा रही है। नोडल अधिकारी ने वहां पर नई बनी बिल्डिंग में कोविड मरीजों के लिए बनाये गये आईसीयू वार्ड का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रधानाचार्य व मुख्यचिकित्साधिकारी से कोविड-19 मरीजों की संख्या के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कोविड की स्थिति से निपटने के लिए सारी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के निर्देश दिये है। इसके उपरांत नोडल अधिकारी 15 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए जीआईसी में बनाये गये वैक्सीनेशन सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां रोज कितने बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा है तथा अब तक कितने बच्चों को वैक्सीन लगायी जा चुकी है, कि जानकारी ली। नोडल अधिकारी नें टीका लगवाने के लिए पहुंचे बच्चों से बातचीत भी की। उन्होंने वैक्सीनेशन सेंटर में कोविड-19 के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि, नगर आयुक्त रवि रंजन, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नानक सरन, मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य डॉ0 एस0पी0 सिंह सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रभारी सीएमएस सहित 30 से अधिक डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों ने लगवाई प्रिकॉशन डोज

लखीमपुर खीरी। शासन के निर्देश पर फ्रंटलाइन वर्कर्स और 60 साल से अधिक उम्र के व्यक्तियों को प्रिकॉशन डोज लगाई जा रही है। प्रिकॉशन डोज की शुरूआत के दूसरे दिन जिला चिकित्सालय में प्रभारी अधीक्षक डॉ. एसके मिश्रा सहित 30 से अधिक डॉक्टर और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने प्रिकॉशन डोज लगवाई है। इस दौरान डॉ. एसके मिश्रा ने कहा कि प्रिकॉशन डोज वर्तमान कोरोना के बढ़ते हुए संक्रमण को देखते हुए लगवाना बेहद जरूरी है। वह सभी फ्रंटलाइन वर्कर और 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग जिन्हें दूसरी खुराक लिए 9 माह हो चुके हैं वे सभी प्रिकॉशन डोज लगवा सकते हैं। इस डोज को लगवाने से कोरोना संक्रमण से लड़ाई में मदद मिलेगी। सभी को बढ़-चढ़कर इस प्रिकॉशन डोज को लगवाना चाहिए। लखीमपुर में जिलाधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह ने सोमवार को प्रिकॉशन डोर लगवा कर इस अभियान की शुरूआत की थी।

फरधान पुलिस द्वारा, लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए 11 मोबाइल फोन बरामद कर 03 नफर अभियुक्तों को 02 अवैध तमंचा-कारतूस व घटना में प्रयुक्त 03 मोटरसाइकिलों सहित गिरफ्तार किया गया

लखीमपुर-खीरी पुलिस अधीक्षक महोदय खीरी, श्री संजीव सुमन के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक महोदय के निकट पर्यवेक्षण में सम्पूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित/वारंटी/संदिग्ध अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 12.01.2022 को थाना फरधान पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 12/2022 धारा 392/279/411/413 भादवि का सफल अनावरण करते हुए 03 नफर अभियुक्त नवनीत, रुपेन्द्र व वैभव को लूट के 11 अदद मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 03 अदद मोटरसाइकिल बरामद कर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 02 अदद अवैध तमंचा व 02 जिन्दा कारतूस भी बरामद किया गया, जिसके संबंध में थाना फरधान पर आर्म्स एक्ट की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस और एसएसबी ने अजान कस्बे में किया फ्लैग मार्च

अजान खीरी विधानसभा चुनाव में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए बुधवार को अजान कस्बे में पुलिस और एसएसबी के जवानों ने संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च किया एसएसबी कमांडर ए मऩ्गी सिंह और मोहम्मदी क्षेत्राधिकारी संदीप सिंह व थाना हैदराबाद प्रभातेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया हैदराबाद थाना प्रभारी प्रभातेश श्रीवास्तव ने बताया अजान ममरी रोशन नगर महेशपुर गनेशपुर जडौरा घरथनिया तक किए गए 125 जवानों के इस फ्लैग मार्च के माध्यम से लोगों को मतदान के लिए सुरक्षित होने का संदेश दिया गया उन्होंने कहा है की विधानसभा चुनाव के लिए सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजामात किए गए हैं किसी भी व्यक्ति द्वारा चुनावों में खलल पैदा करने पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी थाना प्रभारी प्रभातेश श्रीवास्तव ने कहा कि चुनावों को देखते हुए सघन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है और उन्होंने कहा कि पुलिस गांव गांव जाकर बैनर पोस्टर हटवा रही और किसी भी कीमत पर आचार संहिता का उल्लघंन बर्दाशत नहीं किया जाएगा

गोमती नदी से गौंवष के अवशेषों को हटाने का प्रयास करती पुलिस

बुधवार के दिन संदना थाना क्षेत्र के कैलाश आश्रम स्थित गोमती नदी में कई गौवंश के अवशेष देखने को मिले। जिसकी सूचना

स्थानीय पुलिस तथा प्रशासन को दी गई। स्थानीय पुलिस ने गोमती नदी मैं उतराते गौवंश के अवशेषों को हटाने का प्रयास किया। पुलिस ने जेसीबी द्वारा शवों को हटाने प्रयास किया गया ज्यादा गहरे पानी में उतरा रहे मवेशियों के शवों को देर शाम तक हटाया नहीं जा सका । स्थानीय लोगों का कहना है गोवंश के अवशेष कई दिन से गोमती नदी में पड़े पड़े सड रहे हैं। जिससे गोमती नदी का जल दूषित हो रहा है ,क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है ।स्थानीय प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। लोगों का कहना है तहसील प्रशासन को भी सूचना दी गई फिर भी गोवंश के अवशेष मौके पर नदी में उतरा रहे हैं। मामले में एसडीएम मिश्रिख मिथिलेश त्रिपाठी का कहना है सूचना मिली है दिखाया जा रहा है।

पन्द्रह हजार रुपये का इनामिया गैंगेस्टर अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जनपद सीतापुर पुलिस अधीक्षक आर.पी. सिंह द्वारा जनपद सीतापुर में अपराधों पर अंकुश लगाने एव वांछित अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही व गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया है।

वही क्षेत्राधिकारी मिश्रिख के नेतृत्व में थाना नैमिषारण्य पुलिस टीम अपराध संख्या 01/22 धारा 2/3 यू.पी गैंगेस्टर एक्ट में वांछित तथा अवैध शराब निष्कर्षण व बिक्री जैसे अपराध में लिप्त अभियुक्त रमेश पुत्र मथुरी निवासी नौसहरा थाना नैमिषारण्य सीतापुर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिसके विरुद्ध पूर्व में भी अभियोग पंजीकृत हैं। जिसकी शीघ्रातिशीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा अभियुक्तगण पर 15,000/- रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अभियुक्त शातिर एवम् अभ्यस्त अपराधी हैं। गिरफ्तार अभियुक्त का चालान न्यायालय किया जा रहा है।

महामारी के बीच ऑनलाइन मोड के माध्यम से राष्ट्रीय प्रवेश और छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित करेगा वीएमसी

कुरुक्षेत्र। देश में बढ़ते कोविड मामलों (ओमिक्रॉन वेरिएंट) के चलते, जेईई और नीट की तैयारी कराने वाली अग्रणी संस्था विद्यामंदिर क्लासेज (वीएमसी) अपना नेशनल एडमिशन टेस्ट (एनएटी) 15, 16, 22 और 23 जनवरी को ऑनलाइन मोड से आयोजित कराने जा रही है।

जबकि सरकार ने ऑफ़लाइन स्कूलों को अगली सूचना तक बंद करने का आदेश जारी किया है, लेकिन निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम जारी रखा है, इसके चलते यह ऑनलाइन परीक्षा जेईई और नीट उम्मीदवारों को उनकी तैयारी यात्रा के दौरान मेंटरशिप, मुफ्त संदेह समाधान और हैंड होल्डिंग सपोर्ट के साथ एक बड़ा बढ़ावा प्रदान करेगी।

यह टेस्ट छठी से लेकर बारहवीं कक्षा तक के छात्रों को विद्यामंदिर क्लासेज के सितंबर 2022 से शुरू होने वाले बैचों के विभिन्न कोर्सों के साथ जुड़ने का अवसर देगी और साथ ही उन्हें 100 फीसदी तक छात्रवृत्ति पाने का भी मौका मिल सकता है।

विद्यामंदिर क्लासेज के एकेडमिक डायरेक्टर सौरभ कुमार ने कहा, 'वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान की ठोस बुनियाद पर बनी और विद्यामंदिर क्लासेज के लिए

NAT
National Admission cum Scholarship Test

प्रतिस्पर्धी और प्रोत्साहित इंजीनियरों तथा डॉक्टरों को तैयार करना ही प्राथमिक लक्ष्य है। इस ऑनलाइन नेशनल एडमिशन टेस्ट का मकसद छात्रों को सभी तरह के फायदों के साथ चालू सत्र में दाखिला सुनिश्चित लेने का आखिरी मौका देना है ताकि वे कोर्स के कठिन पाठों को आसानी से समझ सकें। हमारे ये कोर्स छात्रों को फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथमेटिक्स/बायोलॉजी के मौलिक कॉन्सेप्ट्स समझने में सक्षम बनाएंगे और बेसिक कॉन्सेप्ट्स पर आधारित जटिल और पेचीदा सवालों को रचनात्मक तरीके से हल करने में सक्षम बनाते हुए उनकी विश्लेषणात्मक दक्षताओं तथा सोचने की समानांतर प्रक्रिया को निखारेंगे।

वीएमसी का नेशनल एडमिशन टेस्ट छठी से लेकर 12वीं तक के छात्रों को न सिर्फ शुरुआती चरण के लाभ देगा, बल्कि उन्हें ठोस बुनियाद बनाने में भी मदद करेगा जिससे उन्हें आईआईटी–जेईई (मेन एवं एडवांस्ड), नीट, एनटीएसई, केवीपीवाई और ओलंपियाड जैसी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। यहां शुरुआती चरण से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतरीन शिक्षकों और समग्र शिक्षण पद्धति की मदद से तैयारी कराने की सुविधा मिलने से छात्र छात्रवृत्ति/ प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पूरी तरह तैयार हो पाएंगे।

विद्यामंदिर क्लासेज के सह–संस्थापक बृजमोहन ने कहा, 'छात्रों की तैयारी के विभिन्न चरणों की जरूरतों को बखूबी समझना ही वीएमसी की शिक्षण पद्धति की सबसे बड़ी ताकत है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में हमारे छात्रों की अपार सफलता का यही रहस्य है। वीएमसी में जेईई तथा नीट जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों को तैयारी कराने के कम से कम 10 वर्षों के अनुभव वाले अत्यंत योग्य शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन कराने की सुविधा है।

यह टेस्ट जेईई और नीट के उन उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर आयोजित किया जा रहा है, जो देश के शीर्ष इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों में दाखिला पाने की अपेक्षा रखते हैं। महामारी के हालात नियंत्रित होने की स्थिति तक सभी कक्षाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएंगी। इन कक्षाओं में वीएमसी के संस्थापकों समेत सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पढ़ाएंगे।

इस टेस्ट में अगली बार शामिल होने का विचार त्यागकर छात्रों को इसी बार वीएमसी में अपनी सीट सुनिश्चित करने के मौके का लाभ उठा लेना चाहिए जिसमें संस्था उन्हें निखारने में हर तरह की मदद करेगी।

एनएटी के बारे में अधिक जानकारी के लिए छात्र हमारी वेबसाइट www.vidya-mandir.com भी देख सकते हैं।

20 माह पूर्व गायब हुए चीनी भरे ट्रक के मामले में एक वांछित को पाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

पाली-हरदोई रूपापुर चीनी मिल से चीनी लेकर गुजरात गए ट्रक के करीब 20 माह पहले गायब होने के मामले में पुलिस ने बांछित एक अन्य आरोपी को पाली के पेट्रोल पंप के पास से गिरफ्तार कर लिया । गिरफ्तार अभियुक्त को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। वही ट्रक मालिक को घटना के 2 माह

बाद ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था इस मामले में कई पुलिसकर्मियों पर भी गाज गिरी थी।

आपको बता दें कि दिल्ली की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी ने मैनपुरी के ट्रांसपोर्ट से ट्रक को भाड़े पर ले कर उस ट्रक में रूपापुर चीनी मिल से 350 क्विंटल चीनी लादकर 18 मई 2020 को गुजरात के मुद्रा पोर्ट के लिए भेजा था, लेकिन ट्रक मुंद्रा पोर्ट नहीं पहुंचा, और रहस्यमयढंग से लापता हो गया इस मामले में ट्रांसपोर्ट कंपनी ने पाली थाने पर ट्रक मालिक भरतपुर के कुम्हेरगेट निवासी धीरज शर्मा सहित चालक सत्यनारायण गुर्जर एवं अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था इस मामले में ट्रक मालिक धीरज शर्मा को घटना के 2 माह बाद ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था पाली थानाध्यक्ष ने बताया कि रूपापुर चीनी मिल से चीनी लेकर गायब हुए ट्रक मामले में एक अन्य वांछित फिरोजाबाद जनपद के एका थाना अंतर्गत नगला पाए गांव निवासी श्रीकृष्ण उर्फ कृष्णकांत पुत्र विद्याराम को पाली नगर की पेट्रोल टंकी के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभियुक्त को कोर्ट में पेश किया गया।

हरदोई में ज्वेलरी शॉप से तीन शातिर महिलाओं ने की सोने की जवेलरी की चोरी

हरदोई के शहर कोतवाली इलाके में एक ज्वेलर्स की दुकान पर 3 महिलाओं ने जेवर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। महिलाओं ने बड़ी सफाई से ज्वैलरी से भरे डिब्बे को चोरी तो कर लिया लेकिन पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।दुकानदार को जब पता चला तो उसने शहर कोतवाली पुलिस से तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर महिलाओं की पहचान करने में जुटी है।

महिलाओं के द्वारा चोरी की यह सनसनीखेज वारदात शहर कोतवाली इलाके के अतुल ज्वेलर्स के यहां हुई है। सदर बाजार में

अतुल ज्वेलर्स के नाम से दुकान है यहां पर तीन महिलाएं एक बच्चे को लेकर ज्वेलरी खरीदने पहुंची।महिलाओं ने सेल्समैन से सोने के टॉप्स दिखाने की बात कही। ज्वेलर्स के सेल्समैन ने महिलाओं को सोने के टॉप्स से भरा डिब्बा दे दिया और उसके बाद दूसरे ग्राहक से बात करने लगा। इसी बीच किसी तरह महिलाओं ने सोने के जेवर से भरा डब्बा चोरी कर लिया और दोबारा आने की बात कहकर दुकान से चली गई।दुकानदार जब दूसरे ग्राहक से फ्री हुआ तो उसने ज्वैलरी से भरा डिब्बा गायब पाया जिसके बाद उसने सीसीटीवी खंगाल कर देखा तो उसमें से वही डिब्बा महिलाएं ले जाती हुई दिखी। दुकानदार ने पूरे मामले की सूचना शहर कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पाकर शहर कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले।सीओ सिटी विनोद कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिलाओं की पहचान कर कार्यवाही की जा रही है। अतुल ज्वेलर्स के यहां इसके पहले भी इस प्रकार की कई घटनाएं सामने आ चुकी है।

स्विफ्ट कार से लूट करने वाले गैंग को पुलिस ने दबोचा

ट्रैक्टर-टॉली और बाइक समेत 4 गिरफ्तार, चोरी-लूट की 8 घटनाओं को कबूला

जनपद सीतापुर पुलिस ने गैंग के 7 जनवरी को एक किसान से हुयी ट्रैक्टर लूट की घटना का भी खुलासा किया। पुलिस ने चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने गैंग के 7 जनवरी को एक किसान से हुयी ट्रैक्टर लूट की घटना का भी खुलासा किया। पुलिस ने चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

सीतापुर में पुलिस ने अंर्तजनपदीय एक गैंग के चार शातिर सदस्यों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने गैंग के 7 जनवरी को एक किसान से हुयी ट्रैक्टर लूट की घटना का भी खुलासा किया। पुलिस ने चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से लूटी हुयी ट्रैक्टर ट्रॉली और अन्य जगहों से लूटी और चोरी की गयी दो बाइक सहित चोरी की नगदी जेवरात भी बरामद किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर लूट की वारदात में प्रयुक्त एक स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद की है जिससे गैंग एक जगह से दूसरी जगह पर जाकर लूट और चोरी की वारदात को अंजाम देता था।

किसान को बेवकूफ बनाकर लूटा था ट्रैक्टर-ट्रॉली

घटना पिसावां थाना क्षेत्र के वजीरनगर इलाके की है। यहां बीती 7 जनवरी 2022 की देर रात यहां के निवासी फूल सिंह पुत्र विनोद सिंह अपनी ट्रैक्टर ट्रॉली में गन्ने को लेकर जवाहरपुर चीनी मिल डालने गया था। चालक फूल सिंह जब देर रात वापस आ रहा था तो

रास्ते में गैंग के चार सदस्यों में से तीन सदस्य स्विफ्ट कार में धक्का लगा रहे थे और एक सदस्य गाड़ी में ही बैठा रहा। ट्रैक्टर पर अकेला चालक को आता देख लुटेरों ने चालक को रोककर गाड़ी में डीजल खत्म होने की बात कहकर ट्रैक्टर चालक को रोक लिया और उसे झांसे में लेकर कार में जबरन बिठा लिया। गैंग के साथी ट्रैक्टर पर बैठकर उसे लूट ले गए। गैंग के अन्य लोगो ने बेहोशी की हालत में कुछ दूर बाद उसे फेंककर फरार हो गए। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर न्याय की गुहार लगायी। एसपी ने मामले में जल्द ही घटना के अनावरण के लिए सर्विलांस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम को लगाया। पुलिस ने तत्परता से ममाले में जांच पड़ताल शुरू की।

चोरी और लूट की अन्य घटनाओं का हुआ अनावरण

एएसपी दक्षिणी नरेंद्र प्रताप सिंह ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि यह गैंग उसी क्षेत्र में पुनः लूट की योजना बना रहे थे और पुलिस मुखबिर के जरिये उनका पीछा कर रही थी कि तभी गैंग के चारों सदस्यों को पुलिस टीम ने दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार चार अभियुक्तों में से तीन थाना हरगांव जिला सीतापुर के निवासी है।

जबकि एक अभियुक्त लखीमपुर खीरी का निवासी है। पुलिस का कहना है कि इस गैंग ने पिसावां में ट्रैक्टर लूट की घटना के अलावा सीतापुर और लखीमपुर जनपद में कारित 7 अन्य घटनाओं को कारित करने का गुनाह कबूल किया और इनकी निशानदेही पर लूट और चोरी का सामान भी बरामद किया गया है। पुलिस ने सभी के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर जेल भेजने की कार्यवाई की है।

गिरफ्तार अभियुक्तगण

श्यामजी मिश्रा पुत्र रामनरेश नि. सिकटिहा थाना हरगांव जनपद सीतापुर अजीत त्रिपाठी उर्फ प्रमीत पुत्र स्व. श्रवण कुमार नि. सिकटिहा थाना हरगांव जनपद सीतापुर अभिजीत त्रिपाठी उर्फ स्त्रान्जल पुत्र श्रवण कुमार नि. सिकटिहा थाना हरगांव जनपद सीतापुर शुभांकन मिश्रा पुत्र कृष्ण कुमार मिश्रा नि. ग्राम महेवागढी थाना महेवागंज जनपद खीरी

जाह्नवी कपूर

की बहन हुई कोरोना संक्रमित, South Actress Khushboo भी चपेट में

फिल्मी जगत को कोरोना हो चुका है. जी हां, आप सही सुन रहे हैं. अब चुकी बॉलीवुड के तमाम एक्टर्स कोरोना संक्रमित हो चुके हैं इसके चलते हम ये तो कह ही सकते हैं कि बॉलीवुड को कोरोना हो गया है. दरअसल बात ये हैं कि अर्जुन कपूर (Arjun Kapoor), अंशुला कपूर (Anshula Kapoor), रिया कपूर (Rhea Kapoor) और करण बूलानी (Karan Boolani) कुछ दिनों पहले ही कोविड का शिकार हो गए थे. कोविड पॉजिटिव होने के बाद सभी ने खुद को घर पर क्वारंटीन कर लिया था. अब इन चारों की कोविड रिपोर्ट नेगेटिव आ गई है.

खबरों के मुताबिक मुताबिक अर्जुन, अंशुला, रिया और करण कोविड से फ्री हो गए हैं. हालांकि अभी भी इस वायरस ने कपूर खानदान का पीछा नहीं छोड़ा है. क्यूंकि अब खबर आ रही है कि बोनी कपूर और श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर कोरोना पॉजिटिव हो गई हैं. खुशी को कोरोना होने के साथ ही बोनी और जाह्नवी कपूर घर पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं. अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि जाह्नवी और बोनी का टेस्ट निगेटिव है या नहीं.

साउथ एक्ट्रेस खुशबू भी हुई कोरोना शिकार

फिलहाल परिवार की ओर से आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है. आपको बता दें बीते कुछ दिन पहले ही जाह्नवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उन्होंने थर्मामीटर लगाया था और शरीर का तापमान चेक करती नजर आईं. आपको बता दें बॉलीवुड के कुछ सेलेब्स ऐसे हैं जिनको कोरोना हाल ही में हुआ है. लेकिन लगभग सभी के ठीक होने की संभावना जताई जा रही है. वहीं, साउथ एक्ट्रेस एक्ट्रेस खुशबू और शोभना भी पॉजिटिव पाई गई हैं. खुशबू ने ट्वीट कर लिखा- ओके. #Covid आखिर 2 वेव के बाद मुझे पकड़ ही लिया. मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है. पिछली शाम तक मैं निगेटिव थी. मैंने खुद को आइसोलेट कर लिया है. खुशबू ने आगे लिखा,अकेले रहने से नफरत है मुझे. तो अगले 5 दिनों तक मेरा मनोरंजन करते रहे.

कोरोना की तीसरी लहर आ चुकी है. कई राज्यों में लॉकडाउन लगने के पुरे आसार हैं. कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू की घोषणा कर दी है. कई अन्य राज्यों में भी वीकेंड कर्फ्यू लगने के पुरे आसार हैं.

तारा सुतारिया की पहली सोलो लीड फिल्म होगी थ्रिलर से भरपूर, नए अवतार में करेंगी धमाका

बॉलीवुड एक्ट्रेस Tara Sutaria हाल ही में फिल्म तड़प में नजर आई थीं, अहान शेट्टी (Ahan Shetty) ने उनके साथ फिल्म में डेब्यू किया था. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था. तारा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 (Student of the year w) से की थी. उनके पास आज कई प्रोजेक्ट्स लाइनअप मे हैं. तारा फिल्म इंडस्ट्री में अब इस कदर आगे निकलती जा रही हैं कि उन्हें एक सोलो फिल्म के लिए चुना गया है. जिसमें वो ही पूरी तरह लीड रोल करेंगी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तारा की इस फिल्म को कबीर सिंह के डायरेक्टर मुराद खेतानी प्रोड्यूस करेंगे.

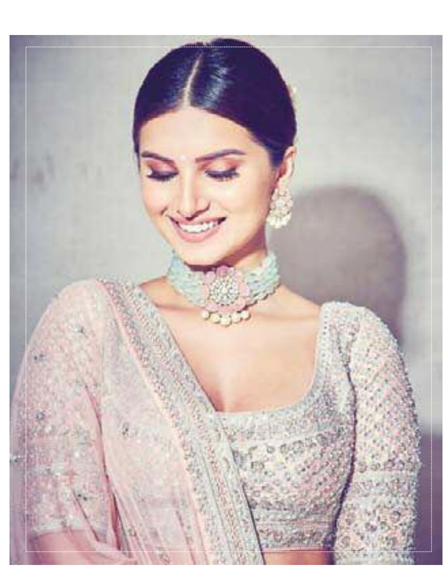

रिपोर्ट के मुताबिक ये एक थ्रिलर फिल्म है, जो सिने1 स्टूडियो (Cine v Studio) के बैनर तले बनेगी. फिल्म का नाम अभी तय नहीं है लेकिन इसमें एक जवान लड़की की सर्वाइवल स्टोरी दिखाई जाएगी. इसे निखिल भट्ट डायरेक्ट करेंगे जिन्होंने ब्रिज मोहन अमर रहे (Brij Mohan Amar Rahe) डायरेक्ट की थी. तारा पहली बार किसी फिल्म में अकेली लीड होंगी. इससे पहले उन्होंने मरजावां (Marjaavaan) और तड़प (Tadap) जैसी फिल्मो में हीरो की प्रेमिकाओं का ही रोल किया है. तारा के लिए ये एक बड़ी उपलब्धि है.

एक्ट्रेस अपनी इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हैं. वो इस फिल्म की शूटिंग फरवरी या मार्च 2022 से शुरू करेंगी. निखिल भट्ट ने पहले ही फिल्म के प्री-प्रोडक्शन वर्क पर काम शुरू कर दिया है. फिलहाल फिल्म की बाकी कास्ट भी फाइनल की जा रही है. वहीं दूसरी तरफ तारा को अपने और भी प्रोजेक्ट्स निपटाने हैं जिनमें कोरोना के चलते देरी हो रही है. मेकर्स चाह रहे हैं कि इस फिल्म को 2022 के आखिर में रिलीज किया जाए.

तारा के बाकी वर्कफ्रंट की बात करें तो वो टाइगर श्रॉफ (Tiger Shroff) के साथ फिल्म हीरोपंति 2 (heropanti 2) में नजर आएंगी. ये फिल्म 29 अप्रैल 2022 को रिलीज होगी. इसके बाद वो मोहित सूरी की फिल्म एक विलेन रिटर्न में भी दिखाई देंगी. उनके साथ फिल्म में अर्जुन कपूर और जॉन अब्राहम लीड रोल मे होंगे. ये फिल्म थियेटर्स में 8 जुलाई को रिलीज होगी.

इंडियाज बेस्ट डांसर के सीजन 2 की विनर बनी सौम्या कांबले

इंडियाज बेस्ट डांसर के सीजन 2 (India's Best Dancer 2) का विनर मिल चुका है. जो इस खबरों में लगातार बना हुआ है. इस पल के लिए दर्शक भी टकटकी लगाए बैठे हुए थे. आखिर कार इंतजार खत्म हुआ और महाराष्ट्र के पुणे (Pune) शहर की डांसर सौम्या कांबले (Saumya Kamble) इस सीजन की विनर बनी. इस सीजन की ट्रॉफी को अपने नाम करते सौम्या ने अपना और अपने घर वालों का नाम रौशन कर दिया है. आपको बता दें कि सौम्या कांबले को सोनी एंटरटेनमेंट की ओर से 15 लाख रुपये के चेक से सम्मानित किया गया और इसके साथ साथ उन्हें एक शानदार गाड़ी भी इनाम के तौर पर दी गई है. वहीं इस पूरे सीजन में सौम्या की कोरियोग्राफर रही वर्तिका झा (Vartika Jha) को भी इस खास मौके पर सम्मानित किया गया है.

बता दें, वर्तिका झा को 5 लाख का चेक दिया गया है. इसके साथ ही वर्तिका की यह लगातार दूसरी जीत है. उन्होंने इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 1 के कोरियोग्राफर टाइगर पॉप को भी कोरियोग्राफ किया था.

बेस्ट 5 फाइनलिस्ट में से जयपुर के गौरव सरवन को फर्स्ट रनर अप और ओडिशा की रोजा राणा को सेकेंड रनर-अप घोषित किया गया है. असम के रक्तिम ठाकुरिया को इस प्रतियोगिता में तीसरा स्थान मिला तो जमरूध को चौथा स्थान दिया गया. इन सभी कंटेस्टेंट्स को भी 1 लाख रूपए का चेक दिया गया. इन सब से हटकर बात करे तो सौम्या तबियत खराब होने के चलते शो में नहीं दिखाई दी थी.

टी-शर्ट पर कुछ लिखा है, गौर फरमाया जाए : उर्फी जावेद

इंडस्ट्री में अपने अतरंगी फैशन स्टाइल के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस उर्फी जावेद (Urfi Javed) सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो अक्सर कोई-न-कोई ऐसी तस्वीर शेयर कर देती हैं, जिसके चलते चर्चा में आ जाती हैं. अमूमन इसके पीछे की वजह उनके आउटफिट्स ही होते हैं. इस बार भी एक्ट्रेस अपने आउटफिट की वजह से ही चर्चा में आई हैं, लेकिन यहां उर्फी की ड्रेस आपका ध्यान आकर्षित नहीं करेगी. बल्कि उस पर लिखा कोट आपका ध्यान खींचेगा.

बता दें कि उर्फी (Urfi Javed) की ये लेटेस्ट तस्वीर या वीडियो उनके इंस्टाग्राम पेज से शेयर नहीं की गई है. बल्कि इसे इंस्टेंट बॉलीवुड, विरल भयानी जैसे तमाम पैप्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया है. ये तब की तस्वीर है, जब पैप्स ने उर्फी (Urfi Javed) को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया. इस दौरान एक्ट्रेस ने जेगिंग्स और टी-शर्ट में कैजुअल लुक लिया हुआ है. जिसके साथ उन्होंने सिंपल पोनी टेल स्टाइल की है. इस दौरान आप उर्फी के हाथों में श्रीमद्भगवद्गीता भी देख सकते हैं. अगर आप उनके टी-शर्ट के प्रिंट पर ध्यान देंगे तो पाएंगे कि उस पर लिखा है, नॉट जावेद अख्तर ग्रैंडडॉटर यानी जावेद अख्तर की पोती नहीं.

वीडियो में आप सुन सकते हैं कि उर्फी (Urfi Javed) कहती नज़र आ रही हैं कि उनके टी-शर्ट पर लिखे मैसेज पर ध्यान दिया जाए. इतना ही नहीं, वो पैप्स से कहती हैं कि ये मैसेज अब हर जगह पहुंच जाना चाहिए. क्योंकि वो अब थक गई है. हर समय उन्हें ट्विटर पर टैग कर कहा जाता रहा है कि जावेद अख्तर की पोती को कुछ सिखाओ, तो उनके लिए मेरे पास ये है.

बता दें कि ये कोई पहला मौका नहीं है, जब एक्ट्रेस (Urfi Javed) ने इस बात को साफतौर से नकारा है कि वे जावेद अख्तर (Javed Akhtar) की पोती नहीं हैं. इससे पहले एक्ट्रेस ये भी कह चुकी हैं कि लोग ये सब जानबूझकर करते हैं, जिससे वे उनके कपड़ों के चलते जावेद अख्तर को ट्रोल कर सकें. हालांकि, फिर भी कई बार एक्ट्रेस को जावेद अख्तर की फैमिली से जोड़ा जाता रहा है.

खुद को मानते हैं गणित का एक्सपर्ट तो इन फील्ड में बना सकते हैं शानदार करियर

गणित का नाम चुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं, छात्रों के बीच गणित विषय को बेहद कठिन विषय समझा जाता है। यही कारण है कि गणित विषय की पढ़ाई के दौरान छात्रों को नींद तक आने लगी है। हालांकि यदि आप प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से समझें, तो इस विषय में अच्छी पकड़ बनाकर महारत हासिल कर सकते हैं। गणित विषय का मतलब केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है, इस विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद करियर की अपार संभावनाएं हैं। ज्ञान की दुनिया में गणित विषय असाधारण भाषा है, आज के समय में पूरी टेक्निलॉजी व इकोनॉमी जगत इसी भाषा पर टिका है।

भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। इस देश में प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य ने अपने ज्ञान से इस मानव सभ्यता के विकास में योगदान दिया। वहीं आधुनिक काल में डॉ.गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है। इस आर्टिकल के माध्यम से आज हम आपको गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

इकोनॉमिस्ट

आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके उसका मूल्यांकन करने का कार्य एक इकोनॉमिस्ट करता है। साथ ही यह भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। इनका कार्य विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करना है। ये उस डाटा पर रिसर्च व विश्लेषण करते हैं। एक इकोनॉमिस्ट बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। इसके लिए इकोनॉमी में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद इकोनॉमिक्स, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग में करियर की नींव ही गणित के ज्ञान से पड़ती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्प्यूटर साइंस के साथ–साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है, तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं। जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

स्टैटिस्टिक्स

जिन लोगों को गणित में महारत हासिल है, उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में करियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। एक स्टैटिस्टिक्स को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में स्टैटिस्टिक्स की काफी मांग होती है। स्टैटिस्टिक्स बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना जरूरी है।

चार्टर्ड एकाउंटेंट

अगर आप चार्टर्ड एकाउंटेंट बनना चाहते हैं, तो इसका जान लें कि इसका पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थवव्यवस्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के नए स्कोप जुड़ते जा रहे हैं। गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए यह एक अच्छा करियर विकल्प बन सकता है।

डाटा एनालिस्ट

डाटा एनालिस्ट का गणित से अटूट संबंध है। इसके लिए विभिन्न गणितीय सूत्रों और एल्गोरिदम के व्यापक ज्ञान की आवश्यकता होती है। एक डाटा एनालिस्ट का कार्य डेटा एकत्र करना और मिलान करना, डैशबोर्ड बनाना, संबंध डेटाबेस को डिजाइन करना और बनाए रखना जैसे बहुत कुछ शामिल है। वे संगठनात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने, डेटा को साफ करने, व्याख्या करने और विश्लेषण करने, अपने निष्कर्षों की रिपोर्ट करने और हितधारकों के लिए आगे का रास्ता बताने के लिए आईटी फंक्शन के साथ मिलकर काम करते हैं। डाटा एनालिस्ट के पास अच्छा विश्लेषणात्मक कौशल, विभिन्न सांख्यिकीय टूल का नॉलेज होना जरूरी है।

बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आपके लिए बैंकिंग सेक्टर में व्यापक करियर ऑप्शन मिल जाएंगे। यहां पर आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स पर अपना शानदार करियर बना सकते हैं। इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

मैथमेटिशियन

अगर आपको लगता है कि मैथ के साथ आपका कई जन्मों का रिश्ता है और आप अपने आप को इस विषय में सबसे ज्यादा माहिर समझते हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। यह ऐसा प्रोफेशन है, जहां पर गणित के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य किया जाता है। इसके अलावा इनका कार्य लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करना भी है। इस क्षेत्र में भी गणित का ज्ञान होना बहुत जरूरी है। इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप इस फील्ड में आगे नहीं बढ़ सकते। वहीं अगर आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप इस विषय में मास्टर हैं, तो यहां पर शानदार करियर बना सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।

हमारे देश में लाखों लोग ऐसे हैं, जो शानदार तरीके से इंग्लिश को लिखना और समझना जानते हैं, लेकिन जब बात इंग्लिश स्पोकन की आती है, तो वो भी हाथ खड़े कर लेते हैं। वहीं कई ऐसे लोग भी होते हैं जिनकी इंग्लिश स्पीकिंग स्किल्स अच्छी होती है, लेकिन वह फ्लो और नेटिव इंग्लिश बोलना चाहते हैं। नेटिव इंग्लिश के लिए एक अच्छे प्रोसेस की जरूरत होती है, जिसमें न सिर्फ बोलना, बल्कि सुनना भी बेहद जरूरी है।

चाहते हैं नेटिव स्पीकर्स की तरह इंग्लिश बोलना तो इन टिप्स को करें फॉलो

ग्लोबलाइज होती इस दुनिया में आज के समय इंग्लिश लैंग्वेज का आना बहुत जरूरी है। इस लैंग्वेज में आपको जितनी माहरत हासिल होगी, आपको करियर में आगे बढ़ने के मौके भी उतने ही मिलंगे। हमारे देश में लाखों लोग ऐसे हैं, जो शानदार तरीके से इंग्लिश को लिखना और समझना जानते हैं, लेकिन जब बात इंग्लिश स्पोकन की आती है, तो वो भी हाथ खड़े कर लेते हैं। वहीं कई ऐसे लोग भी होते हैं जिनकी इंग्लिश स्पीकिंग स्किल्स अच्छी होती है, लेकिन वह फ्लो और नेटिव इंग्लिश बोलना चाहते हैं। नेटिव इंग्लिश के लिए एक अच्छे प्रोसेस की जरूरत होती है, जिसमें न सिर्फ बोलना, बल्कि सुनना भी बेहद जरूरी है। जब भी आप किसी नेटिव स्पीकर को इंग्लिश बोलते हुए सुनते हैं, तो उनसे सीखना बेहद आसान हो जाता है। तो चलिए जानते हैं कौन–सी हैं वे आसान टिप्स, जिनसे आप भी नेटिव इंग्लिश बोलना सीख सकते हैं।

अपने एक्सेंट पर ध्यान दें

इंग्लिश लैंग्वेज में मोटिवेशन, रिपीट करना और एक्सपोजर बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए, नेटिव स्पीकर्स की लाइंस, सेंटेंस और भावों को दोहराएं, उन्हें अपने रोजाना के कम्युनिकेशन में इस्तेमाल करके याद रखने की कोशिश करें। साथ ही ऐसे लोगों के साथ संपर्क बनाए रखें, जिसकी नेटिव इंग्लिश बहुत अच्छी हो। संभव हो तो सोशल मीडिया के माध्यम से किसी विदेशी के संपर्क में रहने की कोशिश करें और उससे बातचीत करें। इससे आपकी झिझक खत्म हो जाएगी और आप उनके मॉडुलन, इंटोनेशन और सबसे जरूरी कल्चर के आदी हो जाएंगे।

शब्दावली अच्छी करें

अगर इंग्लिश में अपनी पकड़ बनाना चाहते हैं तो, किसी भी नए इंग्लिश कंटेंट को सुनने के बाद उसे रिकॉल जरूर करें यानि दोहराते रहें। अपनी इंप्रूव की गई शब्दावली को लिखें और उसे रोजाना याद करें। जब भी आप इंग्लिश का टेस्ट, मॉक टेस्ट या एग्जाम देते हैं, तो ज्यादा से ज्यादा नई शब्दावली का इस्तेमाल करें। जब भी हम नेटिव स्पीकर को भाव व्यक्त करते हुए सुनते हैं, तो उसे इस्तेमाल करना आसान हो जाता है। कभी–भी अपनी शब्दावली को रिकॉल करना न भूलें, उन्हें लॉन्ग टर्म मेमोरी में रखें। टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल करें इंग्लिश स्पीकिंग में सुधार के लिए आप टेक्नोलॉजी का उपयोग भी कर सकते हैं। इंग्लिश के अपने एक्सेंट, वाक्यांश और एक्सप्रेशन को रिकॉर्ड करने के लिए आप अपने स्मार्ट फोन का उपयोग करें। अपनी स्पोकन को रिकार्ड करके उसकी दूसरी रिकॉर्डिंग के साथ तुलना करें। अपनी कमियों में सुधार करके वापस रिकॉर्ड करें और खुद को अच्छा करने के लिए मोटिवेट करें। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से नेटिव ट्यूटर्स की वीडियो देखें। इंग्लिश फिल्में और गाने देखें, जिससे आप उनका कल्चर भी समझ सकें। नेटिव स्पीकर्स के एक्सप्रेशन और बातचीत की स्किल्स को याद करने के लिए, संगीत, गीत, शब्द और म्युजिक आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकते हैं।

अपनी वॉइस पर ध्यान दें

नेटिव इंग्लिश बोलने वालों की तरह अपनी वाइस को सही करने के लिए आपको बोलने वाले शब्दों को समझना भी जरूरी है। आप जो शब्द कहते हैं उसे जरूर समझें और नेटिव स्पीकर की तरह एक्सेंट में बोलें। इंग्लिश बोलते हुए आपके शब्दों की स्पीड, क्लैरिटी और टोन में सुधार आपकी स्पीकिंग को बेहतर बनाने में मदद करेगा। यह टिप नेटिव स्पीकर्स को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगी। रोजाना इडियम सुनें और उन्हें अपनी बोलचाल में इस्तेमाल भी जरूर करें।

जोर से बोलकर पढ़ें

अपनी इंग्लिश स्पीकिंग को बेहतर बनाने के लिए इसे जोर से पढ़ना काफी फायदेमंद रहता है। यह अपनी एक्सेंट पर काम करने का एक शानदार तरीका है, इससे आपके शब्दो में क्लैरिटी आएगी। अगर आपने नेटिव स्पीकर्स को सुनने में काफी समय बिताया है, तो उनके बात करने के तरीके की नकल करने का प्रयास करें। भाषा के फ्लो के साथ अपनी आवाज को तेज और धीरे करने की कोशिश करें। ध्यान रखें जब भी आपको किसी शब्द में कंफ्यूजन हो, तो नेटिव स्पीकर उसे कैसे बोलते हैं यह जानना न भूलें।

स्लैंग बोलते समय अपनाएं ये तरीका

अलग–अलग नेटिव स्पीकर्स अपने कम्युनिकेशन के दौरान अलग–अलग तरह के स्लैंग का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इनका मतलब एक ही होता है, लेकिन नेटिव स्पीकर्स अपने मुताबिक उन्हें बोलते हैं। आप एक नेटिव स्पीकस्र की तरह बोलेने में कभी झिझकें नहीं। अगर आप कलती करोगे तो उसे सीख कर सुधार भी करोगे, लेकिन अगर आप बोलोगे ही नहीं तो कुछ सीख भी नहीं पाओगे।

क्रिकेट में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो ऐसे करें तैयारी

क्रिकेट में करियर बनाने के लिए आपको पहले क्रिकेट सीखने के लिए अकादमी जॉइन करनी पड़ेगी। देश के सभी बड़े शहरों में क्रिकेट अकादमी हैं जहां पर आप ट्रेनिंग के लिए दाखिला ले सकते हैं। अकादमी में दाखिला लेने से पहले उस संस्थान और कोच के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। अगर आपके बच्चे को क्रिकेट में रूचि है तो आप बचपन से ही उसकी ट्रेनिंग शुरू कर दें। वैसे तो क्रिकेट खेलने और सीखने की कोई निर्धारित उम्र नहीं होती लेकिन एक्सपर्ट्स के मुताबिक बच्चे की ट्रेनिंग 7 से 8 साल की उम्र से ही शुरू कर देनी चाहिए।

क्रिकेट अकादमी में लें दाखिला

क्रिकेट में करियर बनाने के लिए आपको पहले क्रिकेट सीखने के लिए अकादमी जॉइन करनी पड़ेगी। देश के सभी बड़े शहरों में क्रिकेट अकादमी हैं जहां पर आप ट्रेनिंग के लिए दाखिला ले सकते हैं। अकादमी में दाखिला लेने से पहले उस संस्थान और कोच के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें। दाखिला लेते समय यह भी ध्यान रखें कि जिस अकादमी में आप दाखिला लेने जा रहे हैं उसका आपके राज्य के क्रिकेट संघ के साथ संबंध होना चाहिए, यह आपके भविष्य के लिए अच्छा रहेगा।

कैसे होगा आगे के लिए चयन

क्रिकेट अकादमी के दाखिला लेने के बाद खिलाड़ी को कई लेवल पार करने होते हैं। सबसे पहले छात्रों को सम्बंधित क्रिकेट क्लबों के द्वारा आयोजित घरेलू टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलता है। अगर आपका सिलेक्शन अंडर 15 में नहीं होता तो आपके पास अंडर 16, 17, 18 आदि में खेलने का मौका होता है। इसके बाद आप खेलते–खेलते आप नेशनल टीम जैसे रणजी, इंडिया अंडर 19 टीम में पहुंच सकते हैं। अगर रणजी में आपका अच्छा प्रदर्शन रहा तो आपका सिलेक्शन आईपीएल और टीम इंडिया में भी हो सकता है।

कठिन परिश्रम और धैर्य की होगी जरूरत

क्रिकेटर बनने के लिए आपको कठिन परिश्रम करने की जरूरत होगी। क्रिकेट में कॅरियर बनने के लिए आपको धैर्य रखते हुए मेहनत करनी होगी। शुरुआत में भले ही आपको सफलता ना मिले लेकिन धैर्य और मेहनत से आप एक दिन अपने लक्ष्य को जरूर प्राप्त करेंगे।

सीजीएल परीक्षा को करना है क्रैक तो इस तरह करें पुख्ता तैयारी

कर्मचारी चयन आयोग ने सीजीएल परीक्षा के लिए भर्ती शुरू कर दी है। आयोग ने इस परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 23 जनवरी, 2022 तक शुरू किया है। रेलवे, वित्त, सीएजी, सूचना प्रौद्योगिकी सहित अनेक विभागों में अलग-अलग पदों पर भर्ती निकली है। सीजीएल टियर-1 की परीक्षा अप्रैल में होगी। वहीं इसके टियर-2 और टियर-3 की परीक्षा की तारीख बाद में घोषित की जाएगी।

कर्मचारी चयन आयोग ने सीजीएल परीक्षा के तहत असिस्टेंट अफसर, असिस्टेंट सेक्शन अफसर, असिस्टेंट एकाउंट अफसर, असिस्टेंट इनफॉर्मेशन अफसर, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, ऑडिटर, टैक्स असिस्टेंट, आदि पदों पर भर्ती निकली है। इस परीक्षा को क्रैक करना लाखों युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी इस परीक्षा को पास कर अच्छी सरकारी जॉब करना चाहते हैं, तो आपकी तैयारी पुख्ता होनी चाहिए।

सिलेबस अच्छे समझ लें

सीजीएल परीक्षा की तैयारी करने से पहले सिलेबस को पूरी तरह समझना जरूरी है। इसके सिलेबस में पहेलियां, आकृति–आधारित प्रश्न, कोडिंग–डिकोडिंग, श्रृंखला जैसे विषय पर विशेष रूप से ध्यान दें, क्योंकि ये स्कोरिंग होते हैं। इन्हें हल करना शुरू करें और फिर, अधिक बहुमुखी प्रश्नों पर आगे बढ़ें। यदि आप नियमित रूप से अभ्यास करते हैं, तो आप कुछ हफ्तों के भीतर ही अपनी तैयारी में काफी सुधार देखेंगे। वहीं नॉन–वर्बल रीजनिंग विषय जैसे इमेज असेंबलिंग, फिगर–काउंटिंग आदि प्रश्नों को छोड़ें या अनदेखा न करें। क्योंकि वे शुरू में आपको समय लेने वाले लग सकते हैं। उनका अभ्यास करना उन्हें कम समय लेने वाला बनाने का सबसे अच्छा तरीका है। अभ्यास करते समय आपको उचित सटीकता के साथ 20 मिनट में कम से कम 1520 प्रश्नों का प्रयास करना चाहिए। परीक्षा में भी, इस खंड को पूरा करने की कोशिश 20 मिनट से अधिक समय न दे।

प्रभावी प्रैक्टिस कंटेंट तैयार करें

सीजीएल परीक्षा की तैयारी के लिए अगर आप किसी कोचिंग संस्थान में जा रहे हैं, तो आपको कोचिंग के शेड्यूल अनुसार चलना पड़ेगा। वहीं हमारा सुझाव है कि, इसके अलावा भी आप अपनी ताकत और कमजोरियों के आधार पर अपनी खुद की अध्ययन योजना तैयार करें। एसएससी सीजीएल के लिए सही विश्लेषण का उपयोग कर आप यह जान सकते हैं कि अपनी परीक्षा तैयारी कैसे शुरू की जाए। क्योंकि आपको अपनी कमियों के बारे में पूरी जानकारी होती है।

ग्रुप डिस्कशन में भाग लें

इस परीक्षा की तैयारी में यह सबसे ज्यादा मदद करता है। अगर आप घर पर तैयारी कर रहे हैं, तो आपको एसएससी सीजीएल के बारे में डिस्कशन करना बहुत मुश्किल हो सकता है। इसलिए आप ऑनलाइन माध्यम से अध्ययन मंचों में भाग जरूर लें। इसके लिए आप उन मंचों का चुनाव करें, जो आपको इनपुट और शॉर्टकट प्रदान करने के अलावा आपकी सैद्धांतिक शंकाओं को दूर करने में पूरी तरह सक्षम हों।

ऑनलाइन क्लास में दाखिला लें

अगर आपने किसी कोचिंग सेंटर में दाखिला नहीं लिया है, तो किसी ऑनलाइन क्लास में दाखिला जरूर लें। आज के समय में कई एजुकेशन वेबसाइटें विशेष रूप से एसएससी सीजीएल परीक्षा के लिए मुफ्त ऑनलाइन क्लास देती हैं, इनमें दाखिला लेकर अपनी तैयारी करें। साथ ही उनके द्वारा प्रकाशित अध्ययन सामग्री को मुफ्त में डाउनलोड करें और प्रतिदिन करेंट अफेयर्स पढ़े।

टाइम टेबल बनाकर अध्ययन करें

सभी उम्मीदवारों को इस परीक्षा को क्रैक करने के लिए बहुत मेहनत की आवश्यकता होती है, इसलिए प्रतिदिन 6 से 8 घंटे बिना किसी व्यवधान के अध्ययन करना बेहद जरूरी है। इसका सिलेबस बहुत व्यापक है, अगर आप इतना समय नहीं देंगे, तो इसका सिलेबस पूरा नहीं कर पाएंगे। इसके लिए आप टाइम टेबल बनाए और छोटे–छोटे ब्रेक के साथ अध्ययन करें।

हर सप्ताह एक प्रैक्टिस पेपर जरूर सॉल्व करें

परीक्षा में अपनी गति बनाने के लिए और प्रश्नों के पैटर्न को समझने के लिए हर सप्ताह एक प्रैक्टिस पेपर जरूर सॉल्व करें। वहीं जब परीक्षा नजदीक आ जाए तो प्रतिदिन इन पेपरों को हल कर अपनी क्षमता को पहचानें। इससे आपको अपनी कमियों के बारे में पता चलेगा।

मॉक टेस्ट लें

चूंकि एसएससी सीजीएल परीक्षा अब ऑनलाइन आयोजित की जाती है, इसलिए उम्मीदवारों को कंप्यूटर आधारित परीक्षा से परिचित होना चाहिए। इसके लिए आपको मॉक टेस्ट देकर परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए। इस तरह के मॉक टेस्ट ऑनलाइन फ्री और पैसे देकर दोनों तरह से मिल जाते हैं।

तनाव से दूर रहें

इस परीक्षा की तैयारी करना कोई बच्चों का खेल नहीं है। आप बहुत तनाव और चिंता में रहते होंगे, लेकिन यह स्मार्ट अध्ययन के लिए अनुकूल नहीं हैं। परीक्षा के दिन चिंता आपको अस्थिर कर सकती है। इसलिए आपको तनाव को मैनेज करना होगा। अपने अध्ययन की योजना इस तरह बनाएं कि आप परीक्षा से कम से कम 3 महीने पहले पूरा पाठ्यक्रम पूरा कर लें। परीक्षा से पहले के उन 3 महीनों में, बार–बार रिवीजन और अभ्यास करने का प्रयास करें।

संचालन परिषद ने नई टीमों को मंजूरी दी

खिलाड़ियों के चयन के लिए 10 से 14 दिन का समय मिलेगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) संचालन परिषद ने मंगलवार को नई आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊऔर अहमदाबाद को इस टी20 लीग में प्रवेश के लिए औपचारिक रूप से आशय पत्र जारी करने का फैसला किया। आरपीएसजी समूह और निजी निवेश फर्म सीवीसी ने पिछले अक्टूबर में क्रमशः लखनऊ और अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए सफलतापूर्वक बोली लगाई थी। सीवीसी के भारत के बाहर सट्टेबाजी कंपनियों के साथ संबंध होने की बात सामने आने के कारण आशय पत्र देने में देरी हुई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सीवीसी की बोली को मंजूरी देने से पहले अपनी कानूनी टीम की मदद से इस मुद्दे की जांच के लिए समय लिया था। आईपीएल चेयरमैन बृजेश पटेल ने बैठक के बाद पीटीआई से कहा, संचालन परिषद ने आज बोलियों को मंजूरी दे दी है। जल्द ही आशय पत्र जारी कर दिया जाएगा। आशय पत्र जारी होने का मतलब है कि ए दोनों टीम औपचारिक तौर पर आईपीएल का हिस्सा हो जाएंगी और

आईपीएल

आईपीएल प्रमुख ने कहा कि संचालन परिषद नीलामी से पहले उन्हें खिलाड़ियों को चुनने के लिए 10 से 14 दिन का समय देने की योजना बना रही है।

उन्हें बेंगलुरु में 12 और 13 फरवरी को होने वाली नीलामी से पहले खिलाड़ियों को चुनने का अधिकार मिल जाएगा। दोनों फ्रेंचाइजी ने पहले ही अपना सहयोगी स्टाफ नियुक्त कर दिया है तथा वे अब वह नीलामी से पहले तीन खिलाड़ियों को अनुबंधित कर सकती हैं। केएल राहुल को लखनऊऔर हार्दिक पंड्या को अहमदाबाद की कमान मिलने की संभावना है।आईपीएल प्रमुख ने कहा कि संचालन परिषद नीलामी से पहले उन्हें खिलाड़ियों को चुनने के लिए 10 से 14 दिन का समय देने की योजना बना रही है। पटेल ने कहा, हम नई टीमों से बात कर रहे हैं, हम उन्हें 10 दिन से दो सप्ताह तक का समय देने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीलामी की तिथि और स्थान में कोई बदलाव नहीं किया गया है। भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर शुरू हो चुकी हैं और बीसीसीआई अप्रैल-मई में होने वाले आईपीएल के लिए अन्य विकल्प भी तलाश रहा है जिनमें किसी एक राज्य में पूरे टूर्नामेंट का आयोजन करना भी शामिल है। पटेल ने कहा कि अभी इस बारे में कोई फैसला करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, हम भारत में खेलना चाहेंगे लेकिन हमें स्थिति को देखना होगा।

इंडिया ओपन: चालिहा ने पांचवी वरीय कोसेत्सकाया को हराया

सिंधू और श्रीकांत भी दूसरे दौर में

एजेंसी ■ नई दिल्ली

युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अष्मिता चालिहा ने टूर्नामेंट का पहला उलटफेर करते हुए मंगलवार को यहां पांचवीं वरीय एवगेनिया कोसेत्सकाया को हराया जबकि शीर्ष वरीय पीवी सिंधू भी इंडिया ओपन के महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रही। मौजूदा विश्व चैम्पियन लो कीन यू और भारत के किदाम्बी श्रीकांत भी दूसरे दौर में पहुंच गए। लो ने कनाडा के शियाओडोंग शेंग को 16 . 21, 21 . 4, 21 . 13 से हराया जबकि श्रीकांत ने पूर्व जूनियर विश्व नंबर एक खिलाड़ी सिरिल वर्मा को 21 . 17, 21 . 10 से मात दी। गैरवरीय चालिहा ने दुनिया की 28वें नंबर की रूस की खिलाड़ी को पहले दौर के मुकाबले में सिर्फ 31 मिनट में 24-22 21-16 से हराया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने हमवतन श्री कृष्णा प्रिया कुद्रावली को 21-5 21-16 से शिकस्त दी। चिराग सेन को हालांकि पुरुष एकल के पहले दौर में ही मलेशिया के सूंग जू वेन के खिलाफ 8-21 7-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। चालिहा ने एवगेनिया के खिलाफ शानदार शुरुआत करते हुए पहले गेम में अपने दमदार स्मैश से 11-5 की बढ़त बनाई। वह रूस की खिलाड़ी के खिलाफ काफी सहज दिख रही थी। ब्रेक के बाद भारतीय खिलाड़ी ने काफी गलती थी जिसका फायदा उठाकर रूस की खिलाड़ी ने स्कोर 14-14 कर दिया। एवगेनिया ने 16-19 के स्कोर पर पिछड़ने के बाद एक बार फिर वापसी की और पहला गेम प्वाइंट हासिल किया। रूस की खिलाड़ी के खिलाफ 2019 में अपना पिछला मुकाबला हारने वाली गुवाहाटी की चालिहा ने इसके बाद विरोधी खिलाड़ी को गलती के लिए मजबूर किया। भारतीय खिलाड़ी ने दो और गेम प्वाइंट बचाए और फिर स्मैश के साथ पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी पहले गेम की कहानी दोहराई गई। चालिहा ने 11-4 की बढ़त बनाई लेकिन रूस की खिलाड़ी ने स्कोर 16-19 कर दिया। भारतीय खिलाड़ी हालांकि इस बार अधिक नियंत्रण में दिखी और दबाव के बीच धैर्य बरकार रखते हुए गेम और मैच जीत लिया। चालिहा ने पहले दौर के मुकाबले के बाद कहा, पिछले कुछ वर्षों में मैंने काफी मुकाबले नहीं खेले हैं। इसलिए मैं नर्वस थी और इसका पहले गेम के दौरान असर पड़ा। लेकिन पहला गेम जीतने के बाद मैं अधिक आत्मविश्वास से भरी थी इसलिए दूसरे गेम में सहज थी। उन्होंने कहा, यह बड़ी प्रतियोगिता है और रूस की खिलाड़ी के खिलाफ खेलने को लेकर उत्सुक थी लेकिन मैं रक्षात्मक रवैया अपनाया और मैच जीतने में सफल रही। चालिहा ने कहा, यह मेरी सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैं पहले भी उसके खिलाफ खेली थी लेकिन सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा इसलिए यह मेरी सबसे बड़ी जीत है। चालिहा अब फ्रांस की एले होयॉक्स से भिड़ेगी जिन्होंने भारत की रिया मुखर्जी को 21-14 21-13 से हराया। सिंधू अगले दौर में मिस्र की हेनी दोहा और भारत की इरा शर्मा के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी। वहीं श्रीकांत का सामना डेनमार्क के किम ब्रून से होगा जिन्होने भारत के शुभंकर डे को 21 . 19, 18 . 21, 21 . 14 से हराया। आसान जीत के बावजूद सिंधू ने कहा कि सत्र में ब्रेक के दौरान कौशल को निखारना बैडमिंटन जैसे प्रतिस्पर्धी खेल को सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। सिंधू ने कहा, निश्चित तौर पर मुझे अपने खेल को निखारना पड़ा और अपने कौशल पर काम करना पड़ा, साथ ही और शॉट जोड़ने पड़े क्योंकि सभी आपके खेल को पढ़ेंगे। उन्होंने कहा, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि अपने खेल में बदलाव किया जाए क्योंकि आजकल खिलाड़ी आपके पिछले मुकाबले देखते हैं इसलिए आपको इसी के अनुसार रणनीति बनानी होती है। सिंधू ने कहा, कभी कभी आपको खेल को समझना होता है, कभी आपको तेज खेल दिखाना होता है, रैली में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है। उन्होंने कहा, मुझे धैर्य के साथ इस पर काम करना पड़ा, सिर्फ एक तरह का खेल नहीं खेलना है, कभी कभी विरोधी मुझे आक्रामक होकर नहीं खेलने देते इसलिए मुझे रक्षात्मक खेल दिखाना होता है और मुझे इसमें परफेक्ट होना होगा। पहले दौर के मुकाबले के संदर्भ में सिंधू ने कहा, मैं काफी समय पहले उसके खिलाफ खेली थी। मैंने मुकाबले को हल्के में नहीं लिया। पहला मुकाबला हमेशा महत्वपूर्ण होता है।

एक नजर

मैरीकॉम और अमित पंघाल राष्ट्रीय शिविर में

नई दिल्ली। छह बार की विश्व चैम्पियन एम सी मैरीकॉम और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल उन छह भारतीय मुक्केबाजों में शामिल हैं जिन्हें दिल्ली और पटियाला में चल रहे महिला और पुरूष राष्ट्रीय शिविरों में मंगलवार को जगह दी गई। पंघाल के साथ पटियाला में पुरूष शिविर में जुड़ने वाले अन्य मुक्केबाज विकास कृष्ण, मनीष कौशिक, सतीश कुमार और आशीष कुमार हैं। विकास ओलंपिक के बाद पिछले साल कंधे की सर्जरी कराने के बाद फिट हैं। मैरीकॉम यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में महिला शिविर में रिपोर्ट करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने इन मुक्केबाजों के नामों को शामिल करने की सिफारिश की। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने एक बयान में कहा कि दोनों शिविर 14 मार्च तक चलेंगे। पिछले साल दिसंबर में हुए शिविरों में इन छह मुक्केबाजों को शामिल नहीं किया गया था क्योंकि तोक्यो ओलंपिक के बाद इन्होंने राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में हिस्सा नही लिया था। साइ ने कहा, ओलंपियन मुक्केबाज अब शिविर में जुड़ेंगे जो राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने वाले मुक्केबाजों के साथ तीन जनवरी से शुरू हुआ था। इसके अनुसार, राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल अब करीब हैं तो भारतीय खेल प्राधिकरण ने बीएफआई की सिफारिश के बाद इन मुक्केबाजों को शामिल करने को मंजूरी दी। विभिन्न वजन वर्गों में 63 पुरूष मुक्केबाज और 27 कोचिंग व सहयोगी स्टाफ पटियाला के एनआईएस में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में हैं।

सानिया और बोपन्ना पहले दौर में बाहर

एडीलेड। भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ियों सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना को दूसरी एडीलेड एटीपी एवं डब्ल्यूटीए प्रतियोगिता में मंगलवार को यहां अपने अपने जोड़ीदारों के साथ पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। सानिया और यूक्रेन की नादिया किचनोक की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी डब्ल्यूटीए 250 प्रतियोगिता के पहले दौर में टेरेजा मार्टिनकोवा और मार्केटा वोंड्रोसोवा से 61 मिनट में 3-6, 3-6 से हार गई। वे पिछले सप्ताह सेमीफाइनल में पहुंची थी।

फुटबॉल

एएफसी महिला एशिया कप के लिए भारत की 23 सदस्यीय टीम घोषित

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मेजबान भारत ने एएफसी महिला एशिया कप फुटबॉल के लिए 23 सदर्स्यीय टीम की घोषणा की है जिसमें पिछले महीने ढाका में अंडर 19 सैफ चैम्पियनशिप में उपविजेता रही टीम के चार सदस्य शामिल हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने कप्तान के नाम की घोषणा नहीं की है लेकिन अनुभवी आशालता देवी को कमान सौंपी जाने की संभावना है। टूर्नामेंट 20 जनवरी से छह फरवरी तक महाराष्ट्र में तीन स्थानों पर होगा। पिछले महीने से कोच्चि में शिविर में भाग ले रहे 27 खिलाड़ियों में से ही 23 को चुना गया है। सैफ चैम्पियनशिप खेलने वाली जिन चार खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है उनमें हेमाम शिल्की देवी, एम बालामुरूगन, सुमति कुमारी और एन प्रियंका देवी शामिल हैं। भारत को अनुभवी स्ट्राइकर बाला देवी की कमी खलेगी जो एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) सर्जरी के बाद अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुई है। भारत को ईरान (20 जनवरी), ताइपै (23 जनवरी), चीन (26 जनवरी) के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। कोच डेनेरबी ने कहा , हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है।युवा खुद को साबित करने को लालायित है और टीम में जोश तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा लेकर आएंगे।वहीं अनुभवी खिलाड़ियों से उन्हें मैदान के भीतर और बाहर अच्छा मार्गदर्शन मिलेगा। भारत 1980 के बाद उपमहाद्वीप के सबसे बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी पहली बार कर रहा है। भारत की नजरें 2023 फीफा विश्व कप में कोटा हासिल करनेपर भी लगी है। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने के लिए भारत को शीर्ष पांच में रहना होगा।

भारतीय टीम :

गोलकीपर : अदिति चौहान, एम लिंथोइंगाम्बी देवी, सौम्या नारायणसामी

डिफेंडर : डालिमा छिब्बर, स्वीटी देवी, रितु रानी, एल आशालता देवी, मनीषा पन्न्ना, हेमम शिल्की देवी, संजू यादव

मिडफील्डर : युमनाम कमला देवी, अंजू तमांग, कार्तिका ए, एन रतनबाला देवी, नाओरेम प्रियंका देवी, इंदुमति कार्तिरेसन

फॉरवर्ड : मनीषा कल्याण, ग्रेस दांगमेइ, प्यारी शाशा, रेणु, सुमति कुमारी, संध्या रंगनाथन, एम बालामुरूगन।

मुख्य कोच : थॉमस डेनेरबी।

एएफसी एशियाई महिला कप की ट्राफी का अनावरण

एजेंसी ■ मुंबई

आगामी एएफसी एशियाई महिला फुटबॉल कप की विजेता टीम को स्टर्लिंग सिल्वर (चांदी) के हॉलमार्क की 5.5 किलोग्राम की चमचमाती ट्राफी प्रदान की जाएगी। यह टूर्नामेंट 20 जनवरी से पुणे, मुंबई और नवी मुंबई में खेला जाएगा जिसे महाराष्ट्र सरकार से विशेष छूट भी दी गई है। यहां जारी मीडिया बयान के अनुसार इस ट्राफी को लंदन के विश्व विख्यात चांदी के सुनार (सिल्वरस्मिथ) थॉमस लिटे द्वारा बनाया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार, ट्राफी आधुनिक डिजाइन की है जिसमें कुछ ऐसे तत्व हैं जो प्रतिस्पर्धा के लंबे इतिहास का सम्मान करते हैं। हैंडल छह मजबूत चांदी की छड़ों से बनाया गया है जो उन छह प्रतिभागी टीमों को दर्शाता है जो 1975 में पहले टूर्नामेंट में खेली थीं।

आदित्य कुमार के 4 विकेट से जीती एस डी क्रिकेट अकादमी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मैंन ऑफ़ द मैच आदित्य कुमार, मैच एस डी क्रिकेट अकादमी बनाम साउथ दिल्ली क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। मैच एस डी क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर गेंदबाजी का निर्णय लिया व साउथ दिल्ली क्रिकेट क्लब ने 35 ओवर्स में 140 रन का स्कोर किया जिसमे अबीर नागपाल ने 27 रन, युवराज ने 18 रन, वेदांश ने 18 रन व हर्ष लोहिया ने 10 रन का सहयोग किया। एस डी क्रिकेट अकादमी की बोलिंग में आदित्य कुमार ने 4 विकेट, पियूष ने 2 विकेट, अतुल्य व परिक्शित ने 1-1 विकेट ले बढ़ते हुए स्कोर को रोका. एस डी क्रिकेट अकादमी ने स्कोर को 25 ओवर में ही हासिल कर लिया जिसमे सौम्य ने 19 रन, अम्ब्रीश झा ने 18, आदित्य ने 10 रन, प्रियांशु ने 11 रन व परिक्शित ने 08 रन बना मैच को 2 विकेट से जीत लिया। साउथ दिल्ली क्रिकेट क्लब से बोलिंग करते हुए हार्दिक व प्रिंस ने 2-2 विकेट व वेदांश व चिरायु ने 1-1 विकेट अपने नाम किये।

जोकोविच, बार्टी आस्ट्रेलियाई ओपन में शीर्ष वरीय

एजेंसी ■ मेलबर्न

शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को उनके खेलने को लेकर अनिश्चितता के बावजूद आस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों ने सोमवार से मेलबर्न पार्क में शुरू होने वाले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के लिए शीर्ष वरीयता दी है। उम्मीदों के अनुरूप घरेलू प्रतिभा और शीर्ष रैंकिंग की एश बार्टी को महिला एकल ड्रा में नंबर एक वरीयता दी गई है। ड्रा की सूची मंगलवार को जारी की गई जिसमें गत चैम्पियन नाओमी ओसाका 13वीं वरीय खिलाड़ी हैं। जोकोविच ने भले ही आस्ट्रेलियाई ओपन में प्रतिस्पर्धा के लिए अदालती लड़ाई जीत ली हो लेकिन अब भी उन पर देश से बाहर किए जाने का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि उन्होंने कोविड-19 टीकाकरण नहीं कराया हुआ है। वह ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीतने के मामले में रोजर फेडरर और रफेल नडाल की बराबरी पर हैं जिन्होंने 20 - 20 ट्राफी अपने नाम की हैं। अगर वह 30 जनवरी को पुरूष फाइनल में 10वां आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीत लेते हैं तो वह पुरूष वर्ग में सबसे ज्यादा 21 एकल ग्रैंडस्लैम जीतने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। फेडरर मेलबर्न में नहीं खेल रहे हैं क्योंकि वह घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं। दानिल मेदवेदेव को दूसरी वरीयता मिली है जिनके बाद एलेक्जैंडर ज्वेरेव, स्टेफानोस सिटसिपास और आंद्रे रूबलेव शामिल हैं।

आईपीएल आईपीएल की संचालन परिषद ने मंगलवार को हुई बैठक मे यह फैसला किया।

वीवो की जगह टाटा समूह दो साल तक आईपीएल का टाइटल प्रायोजक होगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

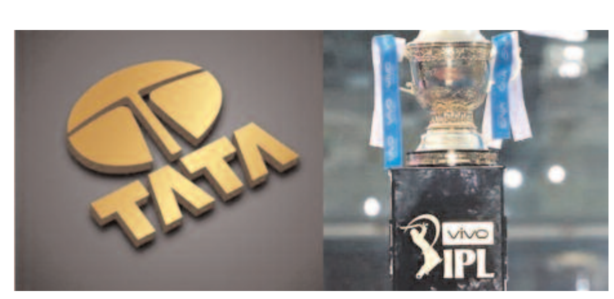

भारत के सबसे बड़े व्यवसाय समूह में से एक टाटा समूह अगले दो साल तक चीनी मोबाइल निर्माता कंपनी वीवो की जगह आईपीएल का टाइटल प्रायोजक होगा। आईपीएल की संचालन परिषद ने मंगलवार को हुई बैठक में यह फैसला किया। आईपीएल अध्यक्ष बृजेश पटेल ने पीटीआई को बताया , हां , टाटा समूह अब आईपीएल का प्रायोजक होगा। सूत्रों के अनुसार टाटा समूह दो साल के लिए आईपीएल के टाइटल प्रायोजन करार के लिए 670 करोड़ रूपए देगा जबकि वीवो करार रद्द करने के लिए 454 करोड़ रूपए देगा। बीसीसीआई को 2022 और 2023 सत्र के लिए 1124 करोड़ रूपए मिलेंगे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक विज्ञप्ति में कहा , बीसीसीआई आईपीएल के लिए यह महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि टाटा समूह की सौ साल से भी पुरानी विरासत है और छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में यह कार्यरत है। समझा जाता है कि टाटा समूह 2023 में भी आईपीएल का टाइटल प्रायोजक रह सकता है क्योंकि 2020 में वीवो को ब्रेक दिया गया था। वीवो ने 2018 से 2022 तक आईपीएल के प्रायोजन अधिकार 2200 करोड़ रूपए में खरीदे थे लेकिन गलवान घाटी में 2020 में भारत और चीन के बीच सैन्य टकराव के बाद वीवो ने एक साल का ब्रेक लिया था। उसकी जगह ड्रीम 11 प्रायोजक था। वीवो 2021 में फिर प्रायोजक बना हालांकि अटकलें लगाई जा रही थी कि वे उचित बोली लगाने वाले को अधिकार का हस्तांतरण करना चाहते हैं और बीसीसीआई ने इसका समर्थन किया।

टेस्ट

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैमीसन पर अनुचित भाषा के इस्तेमाल के लिए जुर्माना

एजेंसी ■ दुबई

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को क्राइस्टचर्च में बांग्लादेश के खिलाफ समाप्त हुए दूसरे टेस्ट के दौरान यासिर अली को आउट करने के बाद अनुचित भाषा इस्तेमाल करने के लिए मंगलवार को उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के बयान के अनुसार जैमीसन ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लघंन किया जो एक अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान ऐसी भाषा, एक्शन या हाव भाव का इस्तेमाल करने से संबंधित है जो एक बल्लेबाज को आउट होने बाद आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकता है। इसके अलावा एक डिमेरिट अंक भी जैमीसन के अनुशासनात्मक रिकार्ड में जोड़ दिया गया है जिनका 24 महीने में यह तीसरा उल्लघंन था जिससे उनके कुल डिमेरिट अंक तीन हो गए हैं। इससे पहले जैमीसन ने 23 मार्च 2021 को बांग्लादेश के खिलाफ क्राइस्टचर्च में वनडे में और पाकिस्तान के खिलाफ तौरंगा में 28 दिसंबर 2020 को टेस्ट मैच में आईसीसी आचार संहिता का उल्लघंन किया था। आईसीसी के अनुसार यह घटना सोमवार को बांग्लादेश की पहली पारी के 41वें ओवर में हुई जब जैमीसन ने यासिर अली को आउट किया और अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया। जैमीसन ने उल्लंघन और मैच रैफरी जेफ क्रो द्वारा लगाया गया जुर्माना स्वीकार कर लिया है। मैदानी अंपायर क्रिस गाफाने और वायने नाइट्स, तीसरे अंपायर क्रिस ब्राउन और चौथे अंपायर शॉन हेग ने आरोप तय किए। लेवल एक उल्लघंन में न्यूनतम जुर्माना आधिकारिक फटकार है जबकि अधिकतम जुर्माना खिलाड़ी के मैच फीस का 50 प्रतिशत काटना और एक या दो डिमेरिट अंक हैं।